आई एम कलाम के बहाने

1. लेखक का साथी कौन था ?

   मोरपाल

2. बचपन में मिहिर और मोरपाल के बीच का सौदा क्या था ?

   खेल घंटी में खाने की अदला - बदली करने का

3. क्लास की दरीपट्टी पर लेखक और मोरपाल की जगहें साथ थीं । क्यों ?

   नाम का पहला अक्षर मिलने की वजह से

4. बचपन में लेखक को यूनीफॉर्म पहनना क्यों पसंद नहीं था ?

   क्योंकि लेखक के पास बड़े शहरों के बडे बाजारों से खरीदे बेहतर कपडे थे ।

5. मोरपाल स्कूल यूनीफॉर्म पहनकर शादी में क्यों आया ?

   क्योंकि मोरपाल के पास एकमात्र कमीज़ पैंट का नया जोडा वह नीली खाकी स्कूल यूनिफॉर्म ही थी

6. मोरपाल ने मेरे टिफिन बॉक्स में रखे राजमा को खाने से पहले कभी देखा भी नहीं था ।
   '

   मोरपाल की किस हालत की ओर संकेत है ?

   गरीब हालत यानी दरिद्र होने से वह राजमा जैसे बढिया दाल खरीद न सकता था ।

7. मोरपाल के जीवन का सबसे अच्छा समय स्कूल में बिताए दिन था । क्यों ?

   स्कूल जाते समय ही मोरपाल घर के काम से बचकर एक बच्चा बना रह सकता था और अपने मित्रों के साथ खुशी से रह पाता । स्कूल उसको अच्छी शिक्षा पाकर बड़े आदमी

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

बनने की जोश पैदा करता था । इसलिए वह अपने गाँव से पंद्रह साइकिल चलाकर बिना नागा रोज स्कूल जाना चाहता था ।

8 . आई एम कलाम फिल्म का निदेशक कौन था ?

नील माधव पांडा

9 . फिल्म का नायक कौन था ?

छोटू उर्फ कलाम

10 . छोटू उर्फ कलाम का सपना क्या था ?

स्कूल जाना और टीवी में देखे लंबे बालों वाले राष्ट्रपति कलाम जैसा बनना ।

11 . छोटू उर्फ कलाम का साथी कौन था ?

कुँवर रणविजय

12 . कलाम और रणविजय के बीच दोस्ती कैसे होती है ?

पहली मुलाकात के समय कलाम और रणविजय के बीच घुडसवारी सीखने और पेड़ पर

चढना सिखाने के लेन देन को लेकर दोस्ती हो जाती है ।

13 . फिल्म में कलाम क्या कर रहा है ?

भाटीसा की चाय की दुकान में काम कर रहा है ।

14 राणा सा के कारिंदे कलाम पर चोरी का आरोप क्यों लगाते हैं ?

वे कलाम के घर की तलाशी लेने आते समय वहाँ कॅवर रणविजय की चीजों को पाने से

15 लसी मैडम कलाम को क्या वादा देती है ?

वे उसे अपने साथ दिल्ली लेकर जाएँगी और राष्ट्रपति डॉ . कलाम मिलवाएँगी ।

16 . फिल्म के अंत में कलाम क्या तय करता है ?

वह अपनी चिट्ठी सीधे अपने हमनाम डॉ . कलाम को दिल्ली जाकर खुद देगा ।

17 . भाषण देने केलिए कहने पर रणविजय क्यों परेशान हो गया ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

क्योंकि उसकी हिंदी इतनी अच्छी नहीं थी । हाथ में चोट लगने के कारण वह लिख भी

नहीं सकता । ऐसे हो तो वह ट्रॉफी नहीं जीत पाएगा ।

18 . ' हमारा सौदा था घंटी में खाने की अदला - बदली का । इस तरह की अदला बदली से

हम क्या समझ पाते हैं ?

सच्ची मित्रता का मिसाल यहाँ हम देख सकते हैं । दोनों के बीच आपस में ऊँच - नीच या अमीर - गरीब का कोई भेद भाव नहीं था । इसलिए मोरपाल को पसंद राजमा - चावल लेखक लाकर देता था और लेखक को पसंद छाछ मोरपाल भी लाकर देता था ।

19 . ' रविवार की छुट्टी का दिन उनकेलिए हफ्ते न सबसे बुरा दिन हुआ करता । ऐसा क्यों कहा गया है ?

स्कूल से गहरा प्रेम होने से मोरपाल जोर उसके जैसे सहपाठी बिना नागा रोज स्कूल आना चाहता था । स्कूल उनको जीवन में सफलता पाने की जोश पैदा करता था । रविवार को स्कूल न होने से वे निराश हैं और उसे हफ्ते का सबसे बुरा दिन मानते हैं ।

20 . ' बाकी निन्यानवे कहानियों को कभी भूलना नहीं चाहिए जो हमारे बचपनों में है । लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ?

समाज में देखते अपना सपना पूर्ण कर पाता है । बाकी अपने पारिवारिक परेशानियों के

अनुसार जीने को मजबूर होते हैं । फिल्म में कलाम को अपनी मंजिल मिलती है लेकिन

लेखक का मित्र मोरपाल अपना लक्ष्य पाने में सफल नहीं बनता । इसलिए लेखक ऐसा कहते हैं ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

21 . ' लेकिन छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता । इससे आपने क्या समझा ?

चाय की दुकान में काम करनेवाला होने पर भी छोटू की आकांक्षाएँ बड़ी हैं । टीवी में देखे राष्ट्रपति कलाम जी का भाषण सुनकर , उनसे प्रभावित होकर वह अपना नाम कलाम रख देता है । स्कूल की अच्छी शिक्षा पाकर डॉ . कलाम जैसा बड़ा आदमी बनना उसका सपना है ।

22 . ' लेकिन कलाम फिर कलाम है ' - लेखक के इस प्रस्ताव पर अपना विचार लिखें ।

राणा सा के कारिंदे कलाम पर चोरी का आरोप लगाने पर भी मित्र रणविजय से की दोस्ती का प्रण न तोड़ने केलिए वह उसको सह लेता है । रणविजय को राणा से उससे की दोस्ती की सजा मिलने से बचाने केलिए वह ऐसा करता है । अभावों में रहने पर भी कलाम दोस्ती को ऊँचा स्थान देनेवाला होने से लेखक ऐसा कहते हैं

23 . इसका मतलब क्या है ?

1 . बाँछें खिल जाना - प्रसन्न होना
2 . दवा करना - चिकित्सा करना
3 . नकल करना - अनुकरण करना
4 . वाहवाही करना - प्रशंसा करना
5 . इशारा करना - संकेत करना
6 . हैरान रह जाना - आश्चर्य हो जाना
7 . दिल जीत लेना - आकर्षित करना

24 . मिहिर और मोरपाल के जीवन अनुभवों के आधार पर टिप्पणी

मिहिर संपन्न परिवार में जन्मा था । उनको रोज स्कल जाना पसंद नहीं था । उनके पास बड़े शहरों के बडे बाजारों से खरीदे बेहतर कपडे होने से उनकेलिए स्कूल यूनिफॉर्म एक बोझ थी । स्कूल में बिताए समय को वह अपने बचपन का सबसे खराब समय समझा करता था । लेकिन उनका साथी मोरपाल दरिद्र परिवार का था । वह रोज पंद्रह किलोमीटर साइकिल चलाकर स्कूल आता था । घर की कडी मेहनत और खेत मजूरी के बाद स्कूल का एकमात्र समय वह बच्चा बना रह सकता था । उसके पास एकमात्र कमीज - पैट का नया जोडा उसकी स्कूल यूनिफॉर्म ही थी ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

स्कूल में बिताए समय उसकेलिए बचपन का सबसे अच्छा समय था । रविवार की छुट्टी उनकेलिए हफ्ते का सबसे बुरा दिन था ।

25 . पहली बार राजमा खाए दिवस मोरपाल की डायरी

तारीख ....

आज मेरेलिए एक विशेष दिन था । पहली बार मैंने राजमा खाया । कितना स्वादिष्ट था । खाने केलिए बैठने पर मेरे दोस्त मोरपाल के टिफिन बॉक्स में रखे राजमा देखते ही मेरी बॉछे खिल गयी थीं । उसे खाने से पहले मैंने कभी राजमा देखा भी नहीं था । राजमा जैसी चीज मेरेलिए तो अपूर्व ही था , पर उसकेलिए वह एक साधारण चीज था । मैं और उसके बीच खेल घंटी में खाने की अदला बदली करने का निश्चय किया । उसके घर से लाया राजमा - चावल मैंने खाया और मेरे घर से लाया छाछ - चावल उसने भी । जैसे मैंने राजमा खाया , वैसे उसने छाछ को भी बहुत चाव से खा लिया । ऐसा लगा कि छाछ उसकी कमजोरी है । आज से हर दिन मैं अपने घर से छाछ लाकर उसे दूंगा ।

26 . टिफिन बॉक्स में रखे राजमा देखकर मोरपाल खुश हो जाता है । इस प्रसंग पर मित्र के नाम पर एक पत्र लिखती है

जयपुर

जुन / 2020

नमस्कार

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा है । तुमको मेरा दोस्त मोरपाल को याद है न ? आज हम खाने केलिए बैठा तो मेरे टिफिन बॉक्स में रखे राजमा देखकर वह बहुत प्रसन्न हो गया । वह राजमा को पहली बार देख रहा था । मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरेलिए सामान्य सी चीज दूसरों केलिए इतनी खास हो सकती है । आज से हमारा सौदा हुआ , खाने की अदला - बदली करने का । उसके घर से लाया छाछ का डिब्बा मुझे दिया और मेरे घर से लाया राजमा - चावल उसको

।

मुझे लगता है कि अपने घर की गरीब हालत से ही वह राजमा जैसा बढिया दाल

खरीद

न सकता होगा । मैं हर दिन उसे अपने घर से राजमा लाकर देना चाहता हूँ । वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? तुम कब यहाँ आओगे ? तुम्हारे माँ - बाप से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से ,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में ,
नाम पता ।

27 . खेल घंटी में खाने की अदला बदली के बारे में लेखक और मोरपाल के बीच हुए वार्तालाप

मोरपाल : अरे मिहिर , जल्दी आओ हम खाना खाएँ ।
लेखक : पुस्तक बैंग में रखकर मैं अभी आया ।
मोरपाल : वाह ! तुम्हारे टिफिन बॉक्स में यह क्या है ?
लेखक : यह तो राजमा है । क्या तुमने इसे अभी तक खाया नहीं ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

मोरपाल : नहीं यार । मैं इसे पहली बार देख रहा हूँ ।

लेखक : यह तो मेरेलिए एक सामान्य - सी चीज है । तुमने आज क्या लाया ?
हाय छाछ ! इसे खाए कितने दिन हुए ?

मोरपाल : सच ! क्या हम खाने की अदला बदली करें ?

लेखक : जरूर । आज से मेरे घर से लाते खाना तुम खाओगे और तुम्हारे घर से लाते खाना मैं ।

मोरपाल : सचमुच यह तो बहुत खुशी की बात है । खेलने जाना है न ? जल्दी जाएँ ।

लेखक : ठीक है ।

28 . फिल्म के अंत में कलान का सपना साकार हो जाता है । उस दिन कलाम की डायरी

तारीख : . . . .

आज अपनी पसंद के स्कूल में मेरा पहला दिन । मेरा सपना साकार हो गया । स्कूल बस में मित्र रणविजय के साथ स्कूल गया । स्कूल यूनीफॉर्म पर टाई बाँधकर हम दोनों साथ - साथ चले । क्लास में उसके साथ बैठकर पढा । स्कूल की बात माँ से कहने पर वे भी खुश हुई । याद आया , चाय की दुकान में काम करते समय लफ्टन से रूठता था । लूसी मैडम ने मुझे दिल्ली ले जाकर कलाम जी से मिलवाने का वादा दिया था । चोरी के आरोप पर गाँव छोडकर दिल्ली पहुँचा था । लेकिन कलाम जी से मिल न सका । पर मेरी चिट्ठी कलाम जी तक जरूर पहुंचेगी । सब सपने जैसे लग रहे हैं आज ! भाटीसा आजकल बहुत खुश दिखते हैं । अपनी पढ़ाई का खर्चा मैं खुद उठाऊँगा । अच्छी तरह

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

पढ - लिखकर मैं कलाम जी जैसा बड़ा आदमी बनूँगा ।

31 . कलाम के चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी

' नील माधव पांडा ' की ' आई एम कलाम ' फिल्म का नायक है छोटू उर्फ कलाम । चाय की दुकान में काम करनेवाले कलाम का सपना था - स्कूल जाना और टीवी में देखे लंबे बालोंवाला राष्ट्रपति कलाम सा बनना । एक अलग जीवन , बेहतर जीवन का सपना दिखाने से कलाम को स्कूल जाना बहुत पसंद था । वह सबकुछ जल्दी से सीखनेवाला था तथा जीवन की कठिनाइयों को हराकर बड़े आदमी बनने की आशा रखनेवाला एक ईमानदार लडका भी। धुडसवारी सीखने और पेड पर चिना मसखाने के लेन दे न को लेकर रणववजय के साथ उसकी दोस्ती हो जाती है । अंग्रेजी सीखने में रणववजय उसकी मदद करता है तो कलाम रणववजय को हहंदी। स्कूल के हहंदी भाषण प्रनतयोचगता केमलए भाषण तैयार करने में कलाम रणववजय की सहायता भी करता है । दोस्ती को ऊँचा स्थान दे ने से अपने ऊपर चोरी का आरोप लगाने पर अपने मित्र को बचाने केलए वह उस आरोप को सह लेता है । राष्ट्रपति कलाम जी से मिलने वह गाँव छोडकर दिल्ली तो पहुँचता है पर उनसे मिल न सकता । अंत में अपने दोस्त के साथ स्कूल जाकर पढने में वह सफल बनता है

32 . रणविजय को उसके स्कूल में भाषण देने केलिए कहा जाता है । वह परेशान हो जाता है । इस प्रसंग पर रणविजय और कलाम के बीच हुए संभावित वार्तालाप

कलाम : अरे कुँवर , तुझे चोट कैसे लगी ?

रणविजय :घबराइए मत , खेल कूद में चोट लग जाती है । ऊपर आइए ।

कलाम : हड्डी तो टूट गयी ?

रणविजय : नहीं , ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया ।

कलाम : समझा नहीं . . .

रणविजय : कल हिंदी भाषण प्रतियोगिता है , लिखूगा कैसे ?

कलाम : तू बोल यार . . . मैं लिख दूंगा ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

रणविजय : काश ! आप रुक पाते . .

कलाम : फिक्र मत कर . . . मैं लिख दूंगा । मेरी हिंदी तुमसे बढकर अच्छी होती . . . है न ? रणविजय : वह तो है ।

कलाम : तो ठीक है । भाई लिखेगा . . . तू बोलना

33 . छोटू उर्फ कलाम ने राष्ट्रपति डॉ . कलाम को देने लिखा पत्र

जैसलमेर

06 जून 2019

आदरणीय राष्ट्रपति साहब , नमस्कार ।

थोडी लिखी , बहुत समझना । चिट्ठी को तार समझकर जल्दी जवाब देना । मैं ढाबे में काम करनेवाला एक बच्चा है , जिसकी जिंदगी आपने बदल दी । मेरा नाम छोटू है , लेकिन मैं अपने को कलाम मानता हूँ । मुझे छोटू अच्छा नहीं लगता । टीवी में आपका भाषण सुना । कितना अच्छा था । मैं समझता हूँ कि हर बच्चा लाल बहादुर शास्त्री बन सकता है और राष्ट्रपति कलाम भी बन सकता है । मैं भी आप जैसे बनना चाहता हूँ । लेकिन मैं बडा गरीब हूँ । मुझे स्कूल जाने की इच्छा है , मेरे मित्र रणविजय के साथ । लूसी मैडम ने वादा किया था , आपसे मिलवाने का । मुझे आपसे बहुत - सी बातें करनी हैं । मालूम है आपको बच्चे बहुत पसंद हैं । पढ लिखकर मुझे आपके जैसा होना है । इसलिए कृपया आप मेरी मदद कीजिए । बस इतना ही कहना है और हाँ . . . धन्यवाद भी बोलना है ।

सेवा में

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

आपका आज्ञाकारी छात्र

डॉ . अब्दुल कलाम

कलाम (छोटू)

राष्ट्रपति दिल्ली

34 . रणविजय स्कूल के हिंदी भाषण प्रतियोगिता जीतकर ट्रॉफी लेकर आता तो कलाम चोरी के आरोप पर गाँव छोडकर दिल्ली जाता है । इस प्रसंग पर मित्र के नाम रणविजय का पत्र

स्थानः . . . .

. . . . . प्रिय मित्र ,

तारीख

: तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से , एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ । तुमको मेरा दोस्त कलाम को याद है न ? आज उसके हाथों से लिखे भाषण से मुझे स्कूल के भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला । ट्रॉफी लेकर उसे दिखाने आया तो पता चला कि वह चोरी के आरोप पर गाँव छोडकर दिल्ली गया है । मैं दुख सह न पाया । सच में मझे बचाने वह चोरी का आरोप सह लिया था । दोस्ती को इतना ऊँचा स्थान देनेवाला उसे मैं कैसे खोऊँ ? मेरे पापा से सच बताने पर उन्होंने मुझे कलाम को ढूंढकर लाने की अनुमति दे दी । कल मैं उसकी तलाश में दिल्ली जाऊँगा । तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? वहाँ तुम्हें कलाम जैसा कोई मित्र है क्या ? तुम्हारे माँ बाप से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से ,

तुम्हारा

मित्र

सेवा में ,

[हस्ताक्षर

]

नाम

संबंध पहचानकर , सही मिलान करें ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

रोज़ स्कूल जाना	यूनिफॉर्म पहनकर आता था ।
शादी में भी मोरपाल	लेखक घर में खुशी मनाता था ।
मिहिर का मित्र मोरपाल	मोरपाल को बुरी लगती थी ।
रविवार की छुट्टी	मिहिर को पसंद नहीं था ।
स्कूल की छुट्टी मिलने पर	रोज़ स्कूल आता था ।

नाम का पहला अक्षर मिलने की वजह से क्लास की दरीपट्टी पर हमारी बैठने की जगहें भी साथ ही थी । वही मोरपाल जिसकी मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही बाँछे खिल जाती थी । हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला - बदली का ।

1 . सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

(क) मोरपाल रोज़ चावल - राजमा लाता था । (ख) मिहिर रोज़ डिब्बा भर छाछ लाता था ।

(ग) छाछ मोरपाल की कमज़ोरी थी । (घ) राजमा देखते ही मोरपाल की बाँछे खिल जाती थीं

1 . वाक्य - पूर्ति के लिए कौन - सा रूप सही है ?

मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद - (क) छूट जाते हैं

(ख) छूट जाता है (ग) छूट जाती है (घ) छूट जाती हैं

सूचना : " आई एम कलाम के बहाने " फिल्मी लेख का यह संवाद पढें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

कलाम : इतनी सारी किताबें ! काए की हैं ?

रणविजय : आपको अंग्रेजी नहीं आती क्या ?

कलाम : तेरे को पेड़ पर चढ़ना आता है ?

रणविजय : हमें घोड़े पर चढ़ना आता है । आपको घुड़सवारी आती है ?

कलाम : मेरे को ऊँट पर चढ़ना आता है । तेरे को क्या ऊँट की दवा करनी आती है ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

1 . किसकी के लिए प्रयुक्त शब्द कौन - सा है **?**

1 क) तेरे को ख) मेरे को

ग) काए की घ) घुड़सवारी

ans. ग) काए की

2 . नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

वह हाथी पर चढ़ता है ।	उसको हाथी पर चढ़ना आता है ।
हम घोडे पर चढते हैं।	....

खंड पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

लेखक के लिए स्कूली यूनीफ़ॉम बोझ थी । लेकिन मोरपाल के पासअपनी स्कूली यूनीफ़ॉम से बढ़िया कपडा है ही नहीं था । स्वाभाविक था कि वह उसे ही शादी में पहनकर आता ।

1) खंड में विवाह के अर्थ में प्रयुक्त शब्द कौन - सा है **?**

2) मोरपाल शादी में भी स्कूली यूनीफ़ॉम पहनकर क्यों आता था **?**

(अ) उसे यूनीफॉम पहनना बहुत अच्छा लगता था

आ) लेखक ने उससे यूनीफॉम पहनकर आने को कहा था ।

इ) उसके पास का एकमात्र नया जोड़ा वही स्कूली यूनीफॉम थी ।

ई) शादी में प्रधानाध्यापक भी आने वाले थे ।

3) नमूने के अनुसार वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

लेखक को यूनीफ़ॉम पहनना अच्छा नहीं लगता था	लेखक को यूनीफॉम पहनना अच्छा नहीं लगता है ।
लेखक को कीमती कपड़े पहनना अच्छा लगता था ।	....

सूचनाः " आई एम कलाम के बहाने " फिल्मी लेख का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

उनका स्कूल को लेकर प्रेम इतना गहरा था कि रविवार की छुट्टी का दिन उसके लिए हफ़्ते का सबसे बुरा दिन हुआ करता । मैं स्कूल की नीली - खाकी यूनीफ़ॉम से हमेशा चिढ़ा करता और उसे पहनना हमेशा टाला करता ।

1 . ' बुरा दिन ' में संज्ञा शब्द कौन - सा है ?

2 . " मैं स्कूल की नीली - खाकी यूनीफ़ॉम से हमेशा चिढ़ा करता । " - इससे आपने क्या समझा ?

3 . मोरपाल को रविवार की छुट्टी बुरी लगती थी । शनिवार के शाम को ही उसका मन अशांत होने लगता था । मोरपाल के उस दिन की डायरी कलपना से लिखें ।

सबसे बड़ा शो मैन

सूचना **:** ' सबसे बड़ा शो मैन ' जीवनी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

लोग चिल्लाने लगे । कहीं से म्याउं - म्याउं की आवाज निकालने लगे । इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मजबूर कर दिया ।

1 . माँ को क्यों स्टेज से हटना पड़ा ?

(क) माँ की आवाज फट गई । (ख) लोगों ने शोर मचाया ।

(ग) लोगों ने तालियां बजाई । (घ) मैनेजर ने गाने से मना किया ।

2 . लोग क्यों चिल्लाने लगे थे ?

3 . स्टेज से हटने को माँ विवश हो गई थी । माँ की उस दिन की डायरी लिखें ।

सूचना **:** ' सबसो बड़ा शो मैन ' जीवनी का यह अंश पदें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

गाते - गाते अचानक माँ की आवाज फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई । लोगों को लगा कि माइक में कुछ खराबी आ गई है , पर फुसफुसाहट जारी थी । लोग चिल्लाने लगे । कहीं से कुछ लोग म्याउं - म्याउं की आवाज निकालने लगे । इस अभद्र शोर ने मां को स्टेज से हटने को मजबूर कर दिया ।

1 . माँ को क्यों स्टेज छोड़ना पड़ा ?

2 . इसलिए ' का प्रयोग करके वाक्य मिलाकर लिखें ।

लोग चिल्लाने लगे ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

मैनेजर ने चार्ली को स्टेज पर भेजने की जिद करने लगा ।

3 . उपर्युक्त प्रसंग पर माँ की डायरी कल्पना करके लिखें

सूचना : ' सबसे बड़ा शो मैन ' जीवनी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।
मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की जिद करने लगा । मां उर गई । पांच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ को झेल पाएगा !

1 . सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

(क) मैनेजर ने चार्ली को गीत गाते देखा था । (ख) मैनेजर ने चार्ली को नृत्य करते देखा था ।
(ग) मैनेजर ने चार्ली को अभिनय करते देखा था । (घ) मैनेजर ने चार्ली को भाषण देते देखा था

2 . चार्ली को स्टेज पर भेजने से माँ क्यों डर गई ।

3 . मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की जिद करने लगा , और माँ बहत डर गई । इस प्रसंग पर मैनेजर और चाली की मां के बीच की बातचीत को आगे बढ़ाएँ । (कम से कम पाँच विनिमय लिखें)

[4 मैनेजर : देखो , लोग शोर मचा रहे हैं ।

माँ : अब क्या करेंगे ?

1 . ' सबसे बड़ा शो मैन ' किसकी जीवनी का अंश है **?**

चार्ली चैप्लिन की

2 . लोग क्यों चिल्लाने लगे **?**

गाते समय चार्ली की माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल जाने से ।

3 . चार्ली की माँ स्टेज से हटने को क्यों मजबूर हो गई **?**

गाते समय उसकी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल जाने से लोग चिल्लाने लगे तो वे स्टेज से हटने को मजबूर हो गई ।

4 . माँ और मैनेजर के बीच बहस क्यों हुआ **?**

मैनेजर चार्ली को स्टेज पर ले जाने की ज़िद करने से

5 . मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद क्यों करने लगा **?**

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

मैनेजर ने चार्ली को पहले कभी माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते हुए देखा था । इसलिए मैनेजर लोगों को शांत कराने केलिए चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा ।

6 . माँ के डर का कारण क्या था ?

पाँच साल का उसका बेटा शोर मचाती इस उग्र भीड को कैसे झेल पाएगा ।

7 किसने चार्ली को स्टेज पर ले गया ?

मैनेजर ने

8 . चार्ली को स्टेज पर क्यों जाना पड़ा ?

गाते समय उसकी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल जाने से लोग चिल्लाने लगे तो वे स्टेज से हटने को मजबूर हो गई । तब मैनेजर लोगों को शांत कराने केलिए चाली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा तो उसको स्टेज पर जाना पड़ा ।

9 . चैप्लिन ने लोगों को कैसे शांत किया ?

मशहूर गीत जैक जोन्स गाकर

10 . चार्ली ने बीच में गाना क्यों रोक दिया ?

चार्ली का गाना आधा ही हुआ तो स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई । उन पैसों को बटोरने केलिए उसने बीच में गाना रोक दिया ।

11 . चार्ली ने क्या घोषणा की ?

पहले मैं ये पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा

12 मैनेजर रुमाल लेकर क्यों आया ?

पैसा बटोरने केलिए

13 . दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ क्यों बजाईं ?

चार्ली ने अपनी निष्कलंकता से गीत गाकर , बातचीत करके , नृत्य करके और गायकों की नकल उतारकर सबको खुश किया । उसकी प्रस्तुति और मासूमियत से प्रभावित होकर दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाई ।

14 . लोगों ने माँ से क्यों हाथ मिलाया ?

चार्ली की मासूमियत से प्रभावित होकर

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

15 . दर्शकों ने चार्ली का अभिनंदन कैसे किया ?
दर्शकों ने देर तक खडे होकर तालियाँ बजाईं ।
कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ की ।

16 . अंत में दर्शकों ने तालियाँ बजाकर माँ का स्वागत क्यों किया ? _ _ _ _
चार्ली की प्रस्तुति और मासूमियत से प्रभावित होने से

17 . इसका मतलब क्या है ?

1 . नकल उतारना - अनुकरण करना
2 . तब्दील हो जाना - बदल जाना
3 . तारीफ करना - प्रशंसा करना , अभिनंदन करना
4 . पैसों की बौछार शुरू हो गई - पैसों की वर्षा होने लगी
5 . गुदगुदी फैलाना - उल्लासित करना

18 . इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मजबूर कर दिया । उस समय माँ की हालत कैसी होगी ?

जब तारीफ करनेवाले माँ की हालत समझे बिना शोर मचा रहे थे तब माँ ने बहुत तनाव का अनुभव किया होगा ।
किसी भी कलाकार यह सह पाना मुश्किल की बात है । उसे यह भय भी हआ होगा कि अब किस प्रकार अपने बच्चे का पालन - पोषण करेगी ।

19 . ' पाँच साल का चार्ली स्टेज पर अकेला था ' - उस समय चार्ली ने क्या सोचा होगा ?
चार्ली ने सोचा होगा कि अपनी माँ की जगह लेते हुए मुझे हिम्मत से काम लेना होगा , माँ की तरह अच्छी तरह गाना होगा । यदि ऐसा नहीं हुआ तो लोग और शोर मचाएँगे , लेकिन माँ केलिए मुझे गाना होगा ।

20 . ' इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया । ' - क्यों ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

चार्ली गीत गाते समय स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई । गाना रोककर उसने अपने बाल सहज भोलापन से घोषणा की कि अब पैसे बटोरकर ही मैं आगे गाऊँगा । इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया ।

21 . ' उसने जन्म ले लिया था । इससे क्या मतलब है ?

स्टेज में पहली बार उतरे पाँच साल के चार्ली ने अपने भोलापन से दर्शकों के मन को आनंदित कर दिया । इस उम्र में उसने ऐसा कर दिया तो बाद में बड़े होकर वह क्या - क्या नहीं कर सकता । इसलिए ऐसा कहा गया है ।

22 . समाचार **(** चार्ली का पहला शो **)** माँ की आवाज़ फटी **;** बेटा बना शो मैन

स्थान : . . . .

. लंदन के प्रसिद्ध थिएडर में पहली बार कदम रखा पाँच साल का बच्चा चार्ली ने स्टेज पर चमत्कार कर दिया । गाते वक्त अपनी माँ की आवाज़ को फटते देखकर मैनेजर के साथ वह स्टेज पर लाया गया । चार्ली निष्कलंकता से गा रहा था कि लोग प्रसन्न होकर - यार के डॉनमो नॅगीता में बदल दिया । इसके बाद उसने दर्शकों से बातचीत की , नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी । दर्शकों ने खुशी से तालियाँ बजाकर चार्ली का अभिनंदन किया । लोगों ने उसमें एक महान कलाकार को देख लिया था ।

23 . माँ की डायरी

तारीख : ....

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ ? . . . . . दुख और खुशी भरा दिन । मेरा लाडला चार्ली आज शो मैन बन गया । उसका पहला शो हमेशा यादी में रहेगा । लगता है मैं आगे गा नहीं पाऊँगी । गले में खराबी है । गाते वक्त मेरी आवाज़ को फटते देखकर मैनेजर के साथ वह स्टेज पर लाया गया । मैं बहुत डर गयी थी । लेकिन बेटा चार्ली ने अपनी निष्कलंकता से गीत गाकर , बातचीत करके , नृत्य करके और गायों की नकल उतारकर सबको खुश कराने लगा । खूब पैसा भी मिला । शैतान , मेरी फटी आवाज़ का भी नकल उतार दी । हे भगवान ! आगे भी मेरा लाडला शो में कमाल करे ।

24 . माँ और मैनेजर के बीच का वार्तालाप

माँ : नहीं पा रही हूँ साब ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

मैनेजर : क्यों ? क्या हुआ ?

माँ : पता नहीं । मेरी आवाज फट रही है

मैनेजर : गले में दर्द है क्या ?

माँ : नहीं । गले से आवाज़ बाहर नहीं निकल रही है ।

मैनेजर : अब क्या करें ? लोग बहुत शोर मचा रहे हैं ।

माँ : आप ही बताइए , मुझे क्या करना है ?

मैनेजर : चार्ली को स्टेज पर भेज दूं ?

माँ : चार्ली को ? नहीं . . . वह तो छोटा बच्चा है न ?

मैनेजर : तो क्या ? मैंने उसे आपके कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते हुए देखा है ।

माँ : लेकिन वह तो कमरे के अंदर था । इस उग्र भीड को वह कैसे संभालेगा ।

मैनेजर : आप चिंता न कीजिए , चार्ली एक होनहार बच्चा है न ? वह ज़रूर इस भीड को शांत करेगा ।

माँ : तो ठीक है , आपकी मर्जी

अकाल और उसके बाद

1 . ' चूल्हे का रोना ' और ' चक्की का उदास होना ' - इसका मतलब क्या है ?

अकाल के कारण धर में दाना नहीं था । इसलिए खाना पकाने कोई चूल्हा नहीं जलाता और दाना पीसने कोई चक्की के पास नहीं आता । इस कारण दोनों अपनी निर्जीव हालत पर दुखी रही ।

2 . कानी कुतिया कहाँ सोई हुई थी । क्यों ?

कानी कुतिया उदास होकर चूल्हा और चक्की के पास सोई हुई थी । क्योंकि उसे कहीं से खाने को कुछ मिलने की संभावना नहीं थी ।

3 . छिपकलियाँ भीत पर गश्त क्यों लगा रही थीं ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

अकाल के कारण घर की हालत इतनी बुरी थी कि किसीकेलिए खाना नहीं था । इसलिए कीडों को न मिलने से यानी भूख से परेशान होकर छिपकलियाँ दीवार पर इधर - उधर चलती थीं ।

4 . अकाल में चूहों की क्या हालत हो गई ?

भोजन न मिलने से अकाल में चूहों की हालत भी बहुत शोचनीय बन गयी ।

5 . पहली चार पंक्तियों का आशय

अकाल और उसके बाद कविता के प्रस्तुत अंश में कवि नागार्जुन ने अनेक बिंबों और प्रतीकों से सजाकर अकाल की भीषणता का वर्णन किया है । कई दिनों तक अकाल पड़ा था । उन दिनों घर में दाना नहीं था । इस कारण कई दिनों तक खाना पकाने कोई चूल्हा नहीं जलाता और दाना पीसने कोई चक्की के पास नहीं आता । इसलिए दोनों अपनी निर्जीव हालत पर दुखी रही । कानी कतिया खाना न मिलने की निराशा से चूल्हा और चक्की के पास सोई थी । कीडों को न मिलने पर भूख से परेशान होकर छिपकलियाँ दीवार पर इधर - उधर चलती थीं । भोजन न मिलने से चूहों की हालत भी बहुत शोचनीय थी । अकाल का असर केवल मनुष्यों को ही नहीं अन्य जीव - जंतुओं पर भी पड़ता है । यहाँ अकाल से पीडित समस्त जीवों का अत्यंत कष्टपूर्ण जीवन का वर्णन सरल शब्दों में किया है । अकाल की भीषणता की ओर सबका ध्यान आकर्षित करनेवाली यह कविता की प्रासंगिकता सार्वकालिक है ।

6 . ' चमक उठी घर भर की आँखें ' - इसका मतलब क्या है ? _ _ _ _

अकाल के दिन बीत जाने पर कई दिनों के बाद घर में अनाज आने से खाना पकाया गया । इसलिए घर के अंदर के चूल्हा , चक्की जैसे निर्जीव वस्तुओं और सभी जीव जंतुओं की आँखें नए जीवन आने की खुशी में चमक उठीं ।

7 . " धुआँ उठा आँगन से ऊपर ' - इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं ?

अकाल दूर होने से कई दिनों के बाद घर में दाने आए । इससे चूल्हा जलाने लगा , आँगन से ऊपर धुआँ उठने लगा । घर में रहनेवाले सभी जीवों की आँखें खशी से चमकने लगीं । क्योंकि आज उनको खाना मिलनेवाला है ।

8 . कौआ अपनी पाँखें खुजलाने का कारण क्या है ?

अकाल के बाद घर में खाना पकाया गया । इसलिए घर से खाने की बाकी चीजें बाहर फेंकने पर उसे चुगकर तेजी से उड जाने की तैयारी में कौआ अपनी पाँखें खुजलाया होगा ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

9 . आँखें चमक उठी का तात्पर्य है

घर के सभी संतुष्ट हो गए

10 . घर भर की आँखें - कवि के अनुसार यहाँ घर के सदस्य कौन - कौन है

चूल्हा , चक्की , कानी कुतिया , छिपकली , चूहा और कौआ

11 . अंतिम चार पंक्तियों का आशय _ _

अकाल और उसके बाद कविता के प्रस्तुत अंश में कवि नागार्जुन ने अनेक बिंबों और प्रतीकों से सजाकर अकाल के बाद की खुशहाली का वर्णन किया है । अकाल के दिन बीत जाने से घर की हालत एकदम बदल गयी । घर में कई दिनों के बाद दाने अए । घरवालों ने चूल्हा जलाया और आँगन से ऊपर धुआँ उठने लगा । घर के अंदर के चूल्हा , चक्की जैसे निर्जीव वस्तुओं और सभी जीव जंतुओं की आँखें नए जीवन आने की खुशी में चमक उठीं । घर से खाने की बाकी चीजें बाहर फेंकने पर उसे चुगकर तेज़ी से उड जाने की तैयारी में कौए ने अपनी पाँखें खुजलाई । अकाल के दिन खतम होने पर घर के अंदर दाना आने से मनष्यों के साथ सभी जीव - जंत सैतष्ट हो जाते हैं । यहाँ कई दिनों के बाद फिर सबके मन में आई खुशी का , घर की बदली हालत का वर्णन सरल शब्दों में किया है । अकाल के बाद की खुशहाली की ओर सबका ध्यान आकर्षित करनेवाली यह कविता की प्रासंगिकता सार्वकालिक है ।

12 . कविता में कई दिनों तक ' और ' कई दिनों के बाद दहराने का तात्पर्य क्या हो सकता है ?

कविता में कवि कई दिनों तक के अकाल की भीषणता का वर्णन और कई दिनों के बाद के अकाल के बाद की खुशहाली का वर्णन करते हैं । दोनों परिस्थितियों में सजीव एवं निर्जीव वस्तुओं की हालत का चित्रण करने केलिए कवि ये शब्द दोहराते हैं । कई दिनों तक शब्द वस्तुओं की चेतनहीन हालत को और कई दिनों के बाद शब्द चेतनयुक्त हालत को सूचित करता है । कई दिनों तक जारी रहा दुख कई दिनों के बाद खुशी में बदल गया ।

ठाकुर का कुआँ

1 . गरीबों का दर्द कौन समझता है - यह किसने किससे कहा ?

जोखू ने गंगी से

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

2 . ' हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊँच हैं । - यहाँ किस सामाजिक समस्या की ओर संकेत है ?

जातिप्रथा

3 . गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी ले नहीं सकती थी । क्यों

गंगी निम्न जाति की मानी जाती है ।

4 . ' ठाकुर और साहू के कुएँ से गंगी को पानी लेने नहीं देते हैं । इसका कारण क्या था ?

छुआछूत की प्रथा है ।

5 . " सिर्फ ये बदनजीब नहीं भर सकते । - क्यों ?

वे नीची जाति के हैं ।

6 . ' गंगी ने जोखू को गंदा पानी पीने को न दिया । ' - क्यों ?

क्योंकि वह जानती थी खराब पानी से पति की बीमारी बढ जाएगी ।

7 . गंगी यह नहीं जानती थी कि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है । यहाँ किस सामाजिक वास्तविकता प्रकट होती है । _ _ _

_ यहाँ गंगी की अशिक्षित हालत का संकेत है । निम्नजाति के लोग शिक्षा से वंचित रह जाते हैं । इसलिए उनमें अनजानी , अंधविश्वास आदि भी देखे जाते हैं । जाति के नाम पर किसीसे शिक्षा मिलने का अपना अधिकार छीनना उचित नहीं है ।

8 . गंगी रस्सी छोड़कर क्यों भाग गई ?

ठाकर के दवारा पकड़े जाने डर से

9 .' यह पानी कैसे पिओगे ? ' - गंगी ने ऐसा क्यों पूछा ?

क्योंकि पानी में बदबू थी

10 . ' मगर दूसरा पानी आने कहाँ से ? ' - यहाँ जोखू की किस की ओर संकेत है ?

जोखू निम्नजाति में जन्मा था । उस समय जातिप्रथा ज़ोरों में था । निम्नजाति के लोगों को उच्च जाति के लोगों के कुएँ से पानी लेने का अधिकार नहीं था । पीने का पानी तक उन्हें निषेध था ।

11 . ' पानी कहाँ से लाएगी ? ' जोखू के इस कथन पर अपना विचार लिखें ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

गंगी पानी लाते में कोई जानवर गिरकर मरा है । निम्नजाति के होने से उन्हें ठाकुर और साहू के कुएँ से पानी लाने की अनुमति नहीं थी । यदि ऐसा किया तो उच्चजाति के लोग उसे जान से मार डालेगा । कोई तीसरा कुआँ गाँव में नहीं था । इसलिए शुद्ध पानी लाने की कठिनाई की ओर यहाँ संकेत है । **12 . ' ठाकुर के कुएँ पर कौन चढने देगा ? ' गंगी क्यों इस प्रकार सोचती है ?**

गंगी चमार जाति की है । वर्ण व्यवस्था के अनुसार वह अछूत थी । उनकी छाया तक ऊँच जाति अपवित्र मानी जाती थी । इसलिए गंगी ठाकुर के कुएँ के पास नहीं जा सकती ।

13 . मैदानी बहादुरी का तो अब न ज़माना रहा है , न मौका । - इसका क्या मतलब है ?

पुराने ज़माने में उच्च वर्ग के लोग अपनी शक्ति के सहारे गरीबों का शोषण करते थे । आज के बदलते ज़माने में कानून को मान्यता मिली है । लेकिन संपन्न वर्ग के लोग रिश्वत और शिफारिश के सहारे कानून को भी वश में कर लिए हैं ।

14 . गंगी दबे पाँव कुएँ की , जगत पर चढी , विजय का ऐसा अनुभव उसे पहले न हुआ था । - गंगी को ऐसा अनुभव क्यों हुआ होगा ?

अछूत होने के कारण गंगी ठाकुर के कुएँ के पास नहीं जा सकती । रात की निर्जन हालत में सही , गंगी जीवन में पहली बार ठाकुर के कुएँ की जगत पर चढी , इससे उसको गर्व का अनुभव हुआ होगा

15 . शेर का मुँह इससे अधिक भयानक न होगा । यहाँ ठाकुर के दरवाज़े की तुलना शेर की मुँह से क्यों की गई है ?

शेर एक खूखार जानवर है । उसके सामने से बच जाना मुश्किल है , पर असंभव नहीं । पर ठाकुर जैसे उच्च वर्ग के लोग शेर से भी अधिक क्रूर है । एक अछूत को कुएं से पानी भरते देखें तो उसे जरूर मार ही डालेगा । गंगी यह बात अच्छी तरह से जानती थी । इसलिए जब ठाकुर का दरवाज़ा एकाएक खुलता है तो अत्यंत डर जाने से वह ऐसा सोचती है ।

16 . ' क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे ' गंगी के इस कथन पर अपना विचार लिखें ।

अछूत होने के कारण गंगी को कुएँ से साफ पानी भरने का भी हक नहीं है । सभी अधिकार समाज में उच्च माननेवालों के पास है । गंगी को समझ में नहीं आती कि लोग कैसे श्रेष्ठ बनते हैं । यहाँ समाज की असमानता के विरुद्ध गंगी का आक्रोश ही प्रकट होता है ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

17 . हाथ - पॉव तुडवा आएगी और कुछ न होगा । - जोखू के इस कथन पर आपका विचार क्या है ? यह वाक्य गंगी से जोखू का कथन है । इस कथन के ज़रिए जोखू एक सामाजिक सत्य को हमारे सामने प्रस्तुत करता है । इसमें छुआछूत के भावना के विरुद्ध जोखू का आक्रोश हम सुन सकते हैं । निम्न जाति के लोगों को उच्च माननेवालों के कुएँ से पानी भरने की अनुमति नहीं थी । ये लोग उच्च वर्ग के लोगों की क्रूरता सहकर जीने को विवश थे ।

18 . ऊँच - नीच के भेदभाव पर अपना विचार क्या है ? लिखें ।

हमें ऊँच - नीच के भेदभावों को छोड़ना चाहिए । जाति प्रथा के कारण गरीब लोगों को कई प्रकार की सामाजिक कुरीतियों का शिकार बनना पड़ता है । किसीको जन्म के आधार पर नीच मानना निंदनीय अपराध है ।

19 . रिवाज़ी पाबंदियों और मजबूरियों पर गंगी का दिल विद्रोह करता है । क्या आप इसका समर्थन करते हैं ? क्यो ?

पानी प्रकृति का अनमोल वरदान है । इसपर सबका समान अधिकार है । पानी भरने से कुछ लोगों को मना करना बिलकुल अन्याय है । इसके विरुद्ध विद्रोह करना ही उचित है ।

20 . इसका मतलब क्या है ?

1 . मुँह सीधा न होना - प्रसन्नता का भाव न होना

2 . एक से एक छंटे - सबसे बुरा

3 . मौके का इंतज़ार करना - अवसर की प्रतीक्षा करना

4 . पानी की खराबी जाती रहती है - पानी शुद्ध हो जाती है

5 . कंधा देना - सहायता करना

21 . पटकथा (शुरुआत भाग)

स्थान - एक झोंपड़ी का भीतरी भाग ।

समय - दोपहर के दो बजे ।

पात्र - गंगी और जोखू । (गंगी की आयु लगभग चालीस , धोती और चोली पहनी है । जोखू की आयु लगभग पचास , धोती और बनियन पहना है)

दृश्य का विवरण - बामार जोखू कमरे की पलंग पर बैठा है । वह प्यास के कारण परेशान है

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

। उसकी पत्नी गंगी पास खडी है । वह पति को पीने केलिए लोटे में पानी देती है ।

संवाद -

जोखू : यह कैसा पानी पीने दिया तू ने ? बास के कारण पिया नहीं जाता ।

गंगी : बदबू ! वह कैसे ? दिखाओ , कल शाम को पानी लाते समय ऐसा कुछ न था ।

जोखू - : पर अब तो . . . (कुछ देर बाद) प्यास सह नहीं पाता । थोडा पानी लो , नाक बंद करके पी लूँ ।

गंगी - : नही । यह पानी कैसे पिओगे ? क्या पता कौन जानवर मरा है । कुएँ से मैं

दूसरा पानी लाए देती हैं ।

जोखू - : दूसरा पानी ! कहाँ से लाएगी ?

गंगी - : ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं , क्या एक लोटा पानी न भरने न देंगे ?

जोखू - : हाथ - पाँव तुडवा आएगी । बैठ चुपके से ।

गंगी - : मुझे पता है क्या करना है ।

जोखू - : ठीक है ।तुम्हारी मर्जी ।

(मन में साहस भरकर गंगी रस्सी और घडा लेकर ठाकुर के कुएँ की ओर निकल जाती है ।)

22 . गंगी की डायरी **(** अंतिम भाग **)**

तारीख : …………...

आज का यह बुरा दिन मैं कैसे भूलूँ ? प्यास के मारे मेरे बीमार पति को शुद्ध पानी दे न पाई । आज उनके पूछने पर मैंने जो पानी दिया उससे बदबू आ रही थी । इसलिए मैंने उन्हें वह पानी पीने नहीं दिया । उनकेलिए साफ पानी लाने केलिए मैं रात के अंधेरे में रस्सी और घडा लेकर ठाकुर के कुएँ की ओर निकल पड़ी । मैं घडे में रस्सी डालकर पानी खींच रही थी , अचानक ठाकुर दरवाज़ा खोलकर बाहर आए । मैं जल्दी घडा , रस्सी सब छोडकर वहाँ से भाग गयी । यदि पकड लिया तो .

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

. . . घर पहुँचकर मैंने देखा , मेरे पति वही गंदा पानी पी रहे हैं । अब मैं उन्हें कैसे मना करूँ ? हे भगवान ! हमारी यह बुरी हालत कब बदलेगी ?

23 . टिप्पणी - गंगी की चरित्रगत विशेषताएँ

गंगी मुंशी प्रेमचंद की मशहूर कहानी ' ठाकुर का कुआँ ' की नायिका है । वह निम्नजाति की मानी जाती है । उसके पति जोखू बीमार है । पीने केलिए पति को साफ पानी दे न पाने से वह परेशान होती है । ठाकुर के कुएँ से पानी लेने जाने पर जोखू उसे डाँटता है । लेकिन वह पीछे मुडनेवाली नहीं थी । रात को चुपके - चुपके वह ठाकुर के कुएँ से पानी लाने जाती है । अत्यधिक सावधानी से पानी लेते समय ठाकुर का दरवाज़ा खुलता है और गंगी वहाँ से बच जाती है । उसका विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों पर चोटें करता है । वह अपने पति से बहुत प्यार करती है । वह जानती थी कि गंदा पानी पीने से बीमारी बढ़ जाएगी । लेकिन बेचारी अनपढ गंगी यह नहीं जानती थी कि पानी को उबालने से उसकी खराबी दूर होती है । इस प्रकार गंगी में एक गरीब , असहाय और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ विद्रोह करनेवाली स्त्री को हम देख सकते हैं ।

24 . गंगी और जोख के बीच हुए वार्तालाप (अंतिम भाग)

गंगी - अरे ! आप यह क्या कर रहे हैं ?

जोखू - मैं क्या करूँ , पानी पिए बिना रहा नहीं सकता ।

गंगी - तो यह गंदा पानी कैसे पीते हैं ? आपकी बीमारी बढ जाएगी न ।

जोखू - यह प्यास मैं सह नहीं सकता । तुम पानी लाने गई थी न ? मिल गया ?

गंगी - नहीं ।

जोखू - फिर इतनी देर तक कहाँ थी ?

गंगी - मैं ठाकुर के कुएँ से पानी ले रही थी ।

जोखू - फिर क्या हुआ ?

गंगी - इसी बीच ठाकुर ने मुझे देखा और मैं जान बचाकर भाग गयी ।

जोखू - मैंने पहले ही कहा था न ?

गंगी - अब क्या होगा ? भगवान ही जाने !

जोखू - ठीक है । अब लेटकर सो जाओ ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

25 . लेख - जातिप्रथा एक अभिशाप है

जातिप्रथा समाज की एक विकट समस्या है । समाज में लोगों को जन्म के आधार पर विभाजित करना और उच्च या निम्न बताना ठीक नहीं है । हमारे देश का संविधान सभी जातिवालों समानता का अधिकार निश्चित किया है । लेकिन सभी जातिवालों को आज भी हमारे देश में समानता का अधिकार प्राप्त नहीं है । आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है । यानी जातीय असमानता हमारे देश की सबसे बड़ी समस्याओं में एक है । स्वतंत्रता के 70 साल बीत जाते समय भी भारत के कुछ प्रदेशों में जाति के नाम पर लोगों पर अत्याचार चल रहा है । आधुनिक विकसित समाज में जातीयता के नाम पर लोगों को अलग करना घोर अन्याय मान सकते हैं । सभी लोगों को खाना मिलने , घर मिलने , पीने का पानी मिलने , कपडे मिलने आदि तरह तरह का अधिकार होना चाहिए । अगर हम जातिप्रथा को सफल रूप से रोक न पाएँ तो हमारी सामाजिक उन्नति संभव नहीं होगी ।

26 . पोस्टर **(points)** - जातिप्रथा अभिशाप है

1 . जातिप्रथा समाज का अभिशाप है . . .

2 . जातिप्रथा ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध . . इसे रोको समाज को सधारो । हमारी जाति . . . मानव जाति . . . .

3 . जन्म से कोई ऊँच - नीच नहीं बनता . . .

4 . समाज की उन्नति . . . मानव की उन्नति . . . जातीय असमानता संविधान के खिलाफ । छुआछूत दूर करो , देश की रक्षा पाओ ।

5 . धरती पर सभी का हक एक जैसा

6 . करो रोकथाम जातिप्रता का . जाति के नाम पर किसीसे यह अधिकार मत छीनो । अपनावो हमारी सामाजिक उन्नति ।

सूचना : ' ठाकुर का कुआं ' कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

ठाकुर कौन है , कौन है ? ' पुकारते हुए कुएं की तरफ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी । घर पहुंचकर देखा कि जोखू लोटा मुंह से लगाए वही मैला - सा पानी पी रहा है ।

1 . गंगी क्यों भाग गई ?

(क) जानवर से डरकर ।　　　　(ख) जल्दी घर पहुंचने

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

(ग) ठाकुर के डर से (घ) बीमार जोखू के पास जाने

2 . जोखू को प्यास के कारण गंदा पानी पीना पड़ा । इस प्रसंग में गंगी और जोखू के बीच की बातचीत को आगे बढ़ाएं । (बातचीत 5 विनिमय की हो)

गंगी : बाप रे ! यह क्या कर रहे हो ?

जोखू : और क्या करूँ गंगी ?

सूचना **:** ' ठाकुर का कुआँ कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

गंगी ने पानी न दिया । खराब पानी से बीमारी बढ़ जाएगी इतना जानती थी , परंतु यह न जानती थी कि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है । बोली - " यह पानी कैसे पिओगे ? न जाने कौन जानवर मरा है । कुएं से मैं दूसरा पानी लाए देती हूं । " 1 .

' मैं ' के स्थान पर हम ' का प्रयोग करके वाक्य बदलकर लिखें ।

मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ ।

2 . गंगी के चरित्र पर टिप्पणी लिखें ।

सूचना **:** ' ठाकुर का कुआं ' कहानी का यह अंश पढ़े और नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

गंगी ने पानी न दिया । खराब पानी से बीमारी बढ़ जाएगी इतना जानती थी , परंतु यह न जानती थी कि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है । बोली - " यह पानी कैसे पिओगे ? न जाने कौन जानवर मरा है । कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ । "

1 . नमूने के अनुसार बाक्य बदलकर लिखें ।

बीमारी बढ़ती है ।	बीमारी बढ़ जाएगी ।
स्वराबी दूर हो जाती है	....

2 . ठाकुर के कुएँ पर कौन चढने देगा **?** गंगी क्यों इसी प्रकार सोचती है **?**

ठाकुर ऊँचे जाति का है । गंगी निम्न जाति का है । इसलिए ठाकुर उसे पानी नहीं देता । गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी लेने को डरती थी ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

3 . मैदानी बहादुरी का तो अब न ज़माना रहा है **,** इसका मतलब क्या है **?**

पुराने जमाने में लोग अपनी ताकत दिखाने के लिए मैदान में आपस में लडते थे । इस मैदानी बहादुरी आजकल स्वीकार नहीं करते हैं । लोग कानून के ज़रिए मुकदमा चलाते हैं । यह एक सही तरीका है **4 .** गंगी दबे पाँव कुएँ की जगत पर चढी **,** विजय का ऐसा अनुभव उसे पहले न हुआ था । गंगी को ऐसा अनुभव क्यों हुआ होगा **?**

गंगी अपनी बीमार पति को शुद्ध पानी देने के लक्ष्य में कुएँ के पास पहुँचा । कुएँ के पास पहुंचने पर मैदान तो साफ हुआ । पति का जान बचाने के लिए अनुमति के बिना गंगी कुएँ की जगत चढी । मन में हुए लक्ष्य अब पूरा हो जाएँ , यह सोचकर उसने विजय की साँस ली ।

5 . शेर का मुँह इससे अधिक भयानक न होगा । यहाँ ठाकुर के दरवाजे की तुलना शेर की मुँह से क्यों की । गई है **?**

गंगी निम्न जाति की होने से ठाकुर उसे पानी नहीं देता । निम्न जाति के लोग ठाकुर के कुएँ से पानी लेने से डरते थे । गंगी जैसे लोग ठाकुर जैसे लोगों को शेर से भी अधिक डरते थे ।

पटकथा **- 1**

दृश्य

गरीब परिवार का जोखू का घर । वह बीमार पड़ता है । प्यास के मारे वह पानी पीने के लिए लोटा मुँह से लगाता है । पानी में सख्त बदबू आता है । वह अपनी पत्नी गंगी को बुला रहा है ।

समय

शाम चार बजे

कथापात्र

जोखू - उम्र - साठ , वेषभूषा - केवल धोती

गंगी - उम्र - पचपन ,

वेषभूषा - साडी और चोली

संवाद

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

जोखू - यह कैसा पानी है ? बदबू के कारण पिया नहीं जाता ।

गंगी - पानी में बदबू कैसी ?

जोखू - ज़रुर कोई जानवर कुएँ में गिरकर मर गया होगा , मगर दूसरा पानी कहाँ से आवे ?

गंगी - ठाकुर के कुएँ पर कौन चढने देगा ?

जोखू - अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता । ला थोडा पानी नाक बंद करके पी लूँ ।

गंगी - यह पानी कैसे पिओगे ? कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हुँ ।

जोखू - पानी कहाँ से लाएगी ?

गंगी - ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं । क्या एक लोटा पानी भरने देंगे ?

जोखू - हाथ - पाँव तुडवा आएगी और कुछ न होगा बैठ चुपके से। ऐसे लोग कुएँ से पानी भरने देंगे ?गंगी - फिर भी मैं जाऊँ । खराब पानी पीने से आपकी बीमारी बढ़ जाएगी ।

जोखू - ठीक है

पटकथा - 2

दृश्य

ठाकुर के कुएँ की जगत । गंगी समीप में होनेवाने एक वृक्ष के अंधेरे छाये में खडी है । उस के हाथ में घडा और रस्सी है । कुएँ पर स्त्रियाँ पानी भरने आती है ।

समय

रात सात बजे

कथापात्र

पहली स्त्री - उम्र - साठ , वेषभूषा - साडी और चोली

दूसरी स्त्री - उम्र - पचपन , वेषभूषा - साडी और चोली

संवाद

पहली स्त्री - खाना खाने चले और हुक्म हुआ कि ताजा पानी भर लाओ ।

दूसरी स्त्री - हम लोगों को आराम से बैठे देखकर जैसे मरदों को जलन होती है ।

पहली स्त्री - हम लौड़ियाँ ही तो है ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

दूसरी स्त्री - लौड़ियाँ नहीं तो और क्या हो तुम ? रोटी - कपड़ा नहीं पाती ? दस - पाँच रुपये भी छीन झपटकर ले ही लेती हो और लौड़ियाँ कैसे होती है ।

पहली स्त्री - मत लजाओ . दीदी ! छिन - भर आराम करने को जी तरसकर रह जाता हो ।

दूसरी स्त्री - इतना काम किसी दूसरे के घर देती , तो इससे कहीं आराम से रहती ।

पहली स्त्री - ऊपर से वह एहसान मानता !

दूसरी स्री - यहाँ काम करते - करते मर जाओ : पा किसी का मुँह ही सीधा नहीं होता ।]

बसंत मेरे गाँव का

1 . उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई को बच्चों का सबसे बड़ा त्योहार मानते हैं । क्यों ?
फूलदेई त्योहार में फूल चुनने से लेकर सामूहिक भोजन बनाने तक का सारा काम बच्चे करते हैं । इस त्योहार के आयोजन में ब ? की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित रहती है । इसलिए फूलदेई को बच्चों का बड़ा त्योहार मानते हैं ।

2 . आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से यहाँ लेन - देन चल रहा है । - यहाँ गाँववालों की कौन - सी विशेषता प्रकट होती है **?**
उत्तराखंड के हिमालयी अंचल के गाँववाले सीधे - सादे और ईमानदार हैं । वे किसीको धोखा देना नहीं चाहते हैं । वे पश्चारक के साथ जो नकद - उधार करते हैं , उसका कोई आंकडे कहीं दर्ज नहीं करते । वे आपसी विश्वास को बडा मोल देते हैं ।

3 . जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा । इसका क्या तात्पर्य है **?**
हमारे देश के ऋतु चक्र का आधार हिमालय है । बसंत , गर्मी , सर्दी , वर्षा आदि बारी - बारी आने का कारण हिमालय है ।

4 . अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । पशुचारकों के महीनों तक के पहाडी जीवन पर टिप्पणी लिखें ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

ठंड के मौसम में बर्फीले इलाकों से पशुचारक निचले इलाकों में उतरते हैं । महीनों तक फैले चरागाहों , घने जंगलों और अनजान बस्तियों में भटकने के बाद अपने घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है । वे गीत गाते हैं , नाचते हैं । अपने साथ उनके भेड बकरियाँ , घोडे - खच्चर , कुत्ते भी होले हैं । रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन - देन भी होता रहता है । वे जानवरें के साथ - साथ कीडाजडी , करण और चुरु जैसी दुर्लभ हिमालयी जडी व औषधियाँ भी बेचते हैं । इन गाँवों से उनका सदियों का रिश्ता है ।

5 . पशुचारकों की खुशी का कारण क्या है **?**

महीनों के बाद घर लौटने का समय आया है ।

6 . पशुचारक अपनी पुरानी वसूली कब की जाती है **?**

बर्फीले मौसम में निचले इलाकों की ओर जाते समय

7 . फूलदेई त्योहार में बड़ों की भूमिका क्या है **?**

बच्चों को सलाह देना

8 . फूलों का रंग कौन - सा है **?**

फ्यूली - पीला , सरसों - पीला ,बुराँस - लाल

9 . इसका मतलब क्या है **?**

बौराना - उन्मत्त करना पौ फटना - प्रभात होना

10 . फूलदेई का त्योहार किस ऋतु में मनाया जाता है **?**

बसंत ऋतु में

11 . फूल न मुरझाएँ इसकेलिए बच्चा क्या करते हैं **?**

फूलों को न मुरझाने रिंगाल से बनी टोकरियों में रखकर रात भर पानी से भरे गागरों के ऊपर रखा जाता है ।

12 . उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में मनाये जानेवाले बच्चों का बड़ा त्योहार कौन - सा है **?**

फूलदेई

13 . समाचार - पशचारक और गाँववालों के बीच का लेन - देन

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

आपसी विश्वास के दम पर सदियों से व्यापार

स्थान :……………..

उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में बसते पशुचारकों और गाँववालों के बीच आपसी विश्वास के बल पर सदियों से लेन - देन हो रहा है । सर्दी बटने पर जानवरों के साथ निचले इलाकों में उतरे पशुचारक गर्मी होने पर वापस अपने घर लौटते हैं । इस समय रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन - देन चलता है । वे जानवरों के साथ - साथ दुर्लभ हिमालयी जडी और औषधियाँ भी बेचते हैं । इन गाँवों से उनका सदियों का रिश्ता है , इसलिए उसी समय पूरी कीमत चुकाने की ज़रूरत नहीं होती । वर्फीले मौसम में फिर निचले इलाकों में जाते वक्त पुरानी वसूली की जाती है । मजे की बात है कि नकद - उधार के आंकडे कहीं दर्ज नहीं होते । केवल आपसी विश्वास के दम पर चलते यह व्यापार बिलकुल अलग ही है ।

14 . फूलदई त्याहार का वर्णन करते हुए मित्र के नाम पत्र

स्थान : . . . .

तारीख :

प्रिय मित्र ,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । हमारी अध्यापिका ने पिछली कक्षा में पढाए उत्तराखंड के एक प्रमुख त्योहार फूलदेई की विशेषताएँ मैं तुमसे बाँटना चाहता हूँ । फूलदेई बसंत ऋतु में उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में मनाये जानेवाले बच्चों का बड़ा त्योहार है । इक्कीस दिन के इस त्योहार में बच्चे सुबह से शाम तक तरह - तरह के फूल चुन लेते हैं । इन फूलों को रिंगाल की टोकरियों में रखकर सुबह तक मुरझा न पाने केलिए रात भर पानी से भरे गागरों के ऊपर रखा जाता है । सुबह होते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं और इन फूलों से घरों की देहरियाँ सजाए जाते हैं । उन घरवाले बच्चों को दक्षिणा के रूप में चावल , गुड , दाल आदि देते हैं । इक्कीस दिन तक इकट्ठी की जाती इन चीज़ों से अंतिम दिन सामूहिक भोज बनाया जाता है । इस त्योहार से जुड़े हुए सारे काम बच्चे ही करते हैं । इस आयोजन में बडीं की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित होती है । इस त्योहार के बारे में पढने के बाद मुझे भी वहाँ जाकर इसे देखने का मन हो रहा है । क्या तुम भी आओगे मेरे साथ ? वहाँ तुम्हारी खबर क्या - क्या है ? माँ - बाप से मेरा पूछताछ कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से ,

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

तुम्हारा मित्र

(हस्ताक्षर)

सेना में

नाम

पशुचा15 . पटकथा - रक और गाँववालों के बीच का लेन - देन

स्थान - गाँव की एक सड़क के किनारे ।

समय - शाम के छ बजे ।

पात्र - पशुचारक और गाँववाला ।

घटना का विवरण - पश्चारक जानवरों के साथ - साथ औषधियाँ लेकर वापस अपने घरों में जाते समय रास्ते में एक गाँववाले से उसका मुलाकाल होता है ।

संवाद -

पश्चारक - नमस्ते भैया , क्या चाहिए आपको ?

गाँववाला - मुझे कुछ जडी - बूटियाँ चाहिए ।

पशुचारक - बताइए क्या - क्या चाहिए ? हमारे पास कीडाजडी , करण और चुरु हैं ।

गाँववाला - मुझे थोडा - सा कीडाजडी और चुरु चाहिए

पशुचारक - इतनी तो बाकी पड़ी है । यह तो 120 रुपए का है ।

गाँववाला - अब मेरे पास 100 रुपए ही हैं ।

पशुचारक - कोई बात नहीं , अगले साल बाकी दीजिए ।

गाँववाला - ठीक है । यह 100 रुपए ले लो , बाकी 20 रुपए अगले साल दे दूंगा ।

(जानवरों को लेकर पशुचारक आगे बढ जाते हैं ।)

16 . समाचार - फूलदेई त्योहार का आयोजन

फूलदेई का जश्न धूमधाम से मनाया गया

स्थान : …………………...

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में इक्कीस दिनों से फूलदेई का त्योहार मना रहे थे । यह त्योहार पूर्ण रूप से बच्चों के द्वारा मनाया गया । बों की भूमिका सिर्फ सलाह देना मात्र रहा । बच्चों ने रोज़ देर शाम तक रिंगाल से बनी टोकरियों में फूल चुने और गागरों में पानी भरकर उसके ऊपर रखे । रोज सुबह गाँव भर बच्चों की टोलियाँ घूमी । पिछली शाम चुने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए गए । जिनके घरों में फूल सजाए गए उन्होंने बच्चों को चावल , गुड , दाल आदि दिए । दक्षिणा में मिली यह सामग्री पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठी की गई । फूलदेई की विदाई के साथ यह उत्सव कल समाप्त हआ । अंतिम दिन कल इकट्ठी की गई सामग्रियों से सामूजिक भोज बनाया गया । त्योहार के दिनों में लोकगीतों की प्रस्तुति हुई थीं । नाटक , प्रतियोगिता , गरीब लोगों के लिए कपडा वितरण आदि विभिन्न कार्यक्रम इसके साथ चलाए गए ।

बसंत मेरे गाँव का लेख का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोजन बनाया जाता है । इस आयोजन में बड़ों की भूमिका केबल सलाह देने तक सीमित होती है । बाकी सारे काम बच्चे करते हैं । उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बड़ा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है ।

1) सही उत्तर चुनकर लिखें ।

उत्तराखंड के हिमालयी अंचल के बच्चों का सबसे बड़ा त्योहार कौन - सा है ?

(होली , दीपावाली , फूलदेई , दशहरा)

2) मान लें , इस साल भी उत्तराखंड में फूलदेई का त्योहार बड़े धूम - धाम से मनाया गया । इस पर एक रपट तैयार करें

1 . उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई को बच्चों का सबसे बडा त्योहार है । क्यों **?**

बसंत फूलदेई त्योहार लेकर आता है । इस त्योहारों के अवसर पर बच्चे इक्कीस दिनों में देर शाम तक फूल चुनते हैं । सुबह पौ फटते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में धूमती हैं । पिछली शाम चुने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं । जिनके घरों में फूल सजाए जाते हैं वे बच्चों को चावल , गुड , दाल आदि देते हैं । लोग दिये गये दक्षिणा से सामुहिक भोजन तैयार करते हैं । इस आयोजन में बड़ों की भूमिका केवल 7 सलाह देने तक सीमित है । बाकी सारे काम बच्चे करते हैं ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

2 .' आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से यहाँ ये लेन - देन चल रहा है । यहाँ गाँववालों की कौन सी विशेषता प्रकट होती है **?**

इन गाँवों से इनका सदियों का रिश्ता है । वे आपस में विश्वास करते हैं । उनके मन में छल - कपट नहीं है । इसलिए सालों से ये लेन - देन चल रहा है ।

3 . जब तक हिमालय रहेगा **,** ऋतुवों के बदलने का उल्लास रहेगा । इसका क्या तात्पर्य है **?**

हिमालय ' भारत का सिर है । यह हमारा पहरेदार है । हिमालय की भौगोलिक स्थितियाँ ऋतुओं के बदलने में घना संबध है । हिमालय की ऋतुवों से यहाँ की जीवन , संस्कृति , कला , तथा रीति - रिवाज से संबध है ।

4 . मानव और प्रकृति के आपसी संबध **1**

धरती पर जीवन मानव और प्रकृति की आपसी संबध से ही संभव हो सका है । प्रकृति के अन्तर्गत वन संपत्ती और जीव जंतु है । पर्यावरण संतुलन रखने में पेड - पौधे और पशु - पक्षियों का स्थान महत्वपूर्ण है । प्रकृति और जीव जंतुवों का ताल मेल रखना मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक है । वे एक सिक्के का दो पहलू है । प्रकृति हमारी माँ और पशु - पक्षी हमारे सचिर है । इसलिए प्रकृति और जीव जंतुवों की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है । लेकिन आज मानव और प्रकृति का संबध बिगड गया है । आज घर बनाने कल - कारखाने लगाने तथा सड़कें और रेलें बिछाने केलिए बड़े पैमाने पर जंगल काटे गये । दूसरी ओर मानव अपनी फायदा के लिए जीव जंतुवों के प्रति क्रूर व्यवहार कर रहे हैं । मानव के स्वार्थ एंव क्रूर व्यवहार जीव जंतुवों का नाश का कारण बन जाते हैं । प्रकृति संतुलन बनाये रखने के लिए मानव और जीव जंतु हिल मिल रखना अनिवार्य है । प्रकृति में होने वाले जीव जंतु हमारा सहजीवी मानकर उन्हें संरक्षण करें

सरकारी हाईस्कूल कोटटयम

संगोष्ठी

विषय - " प्रकृति हमारी माँ और पशु - पक्षी हमारे सहचर '

14 - 03 - 2016

सुबह 10 बजे स्कूल सभागृह में

संयोजक - प्रकति क्लब

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

सब को खागत

@ विश्व पर्यावरण दिवस ।

जूण 5

पेड लगाओ , पर्यावरण की रक्षा करो ।

पर्यावरण हमारा रक्षा कवच है ।

पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखो ।

पर्यावरण प्रदूषण से मानव समुदाय का सर्वनाश होगा ।

पर्यावरण संरक्षण समति - केरल

5 . ओणम भारत त्योहारों का देश है । हर एक राज्य में अपनी संस्कृति के अनुसार त्योहार मनाये जाते हैं । ओणम केरल का देशीय त्योहार है । यह प्रावण के महीने में आता है । ओणम के दस दिन पहले अत्तम आता है । उस दिन से ओणम की तैयारी शुरु होती है । राजा महाबली की याद में यह त्योहार मना जाता है । लोगों का विश्वास है कि ओणन के दिन रजा महाबली अपनी प्रजा को देखने आते हैं उस दिन लोग घर के आंगन में फूलों की रंगोली बनाते हैं । बच्चे झूले - झूलत है । उस दिन लोग नये कपड़े पहनते है बडी दावत तैयार करते हैं । गरीब और अमीर लोग ओगन मनाते हैं । यह त्योहार समता का सन्देश देता है । ओणम सभी केरलियें का आनन्द और उल्लास का त्योहार है ।

. दिशाहीन दिशा

1 . मोहन राकेश की बडी इच्छा क्या थी ?

समुद्र - तट के साथ - साथ एक लंबी यात्रा करना ।

2 . लेखक समुद्र - तट की यात्रा क्यों न कर सके ?

समय और साधन साथ - साथ उनके पास कभी नहीं रहने से

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

3 . लेखक ने फौरन यात्रा करने का निश्चय क्यों किया ?

नौकरी छोड देने से हाथ में पैसा आने पर

4 . लेखक ने सीधे कहाँ चला जाने को सोचा था ?

कन्याकुमारी

5 . हम गोआ क्यों जाना चाहते हैं ?

वहाँ जीवन बहुत सस्ता है

6 . गोआ की जिंदगी बहुत सस्ती है । लेखक के इस कथन से आप क्या समझते हैं ?

गोआ में रहने - खाने की हर सुविधा बहुत थोडे पैसों में प्राप्त होने से वहाँ जीवन सस्ता है ।

7 . बंबई तक की यात्रा में लेखक सो नहीं सके । क्यों ?

क्योंकि लेखक के मन में भोपाल ताल की नाव और उसके बूढे मल्लाह की गज़लें याद आ रही थीं ।

8 . नाव में बैठे अविनाश क्या सुनना चाहता है ?

गाना

9 . बूढे मल्लाह सर्दी में क्या पहनकर नाव चलाता है ?

लुंगी / तहमद

10 . अविनाश ने अपना कोट उतारकर मल्लाह को दे दिया । इसकेलिए क्या - क्या कारण हैं ?

सर्दी बढ रही थी पर मल्लाह के पास चादर नहीं था । अविनाश कुछ समय और झील का सैर करना चाहता था ।

11 . उसके खामोश हो जाने से सारा वातावरण ही बदल गया । वातावरण की खामोशी लेखक पर कैसा प्रभाव पड़ा ?

गज़लों में मग्न रहने से बाहर की दुनिया से वे कुछ समय से अनजान थे । गज़ल रुकते ही वे बाहर का वातावरण यानी रात , सर्दी , नाव का हिलना और झील का विस्तार महसूस करने लगे ।

12 . भोपाल स्टेशन पर कौन लेखक से मिलने आया ?

लेखक का मित्र अविनाश

13 . अविनाश क्या करता था ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

भोपाल से निकलनेवाले एक हिंदी दैनिक का संपादक था

14 . नाव यात्रा में किसने ग़ज़लें सुनाई ? _ _ _

मल्लाह अब्दुल जब्बार ने

15 . " घर में चलते समय मन में यात्रा की कोई बनी हुई रूप - रेखा नहीं थी । " - लेखक के इस कथन के आधार पर बताएँ कि किसी यात्रा पर जाने से पहले यात्रा की रूप - रेखा बनाना ज़रूरी है ?

किसी यात्रा केलिए जाने से पहले रूप - रेखा बनाना ज़रूरी है । क्योंकि कहाँ जाना है , कितने दिन रुकना है , क्या - क्या देखना है इन सबकी रूप - रेखा पहले ही तैयार नहीं की तो हम अपनी रुचि के अनुसार सब कुछ देख नहीं पाएंगे ।

16 . घने शहर की छोटी - सी तंग गली में पैदा हुए लेखक को कन्याकुमारी के समुद्र - तट के प्रति आत्मीयता का अनुभव होने का आधार क्या हो सकता है ?

लेखक का जन्म शहर की छोटी - सी तंग गली होने से उनके मन में विपरीत के प्रति आकर्षण हो सकता है । छोटी गली में पैदा होने के कारण विशाल समुद्र - तट के प्रति आकर्षण होना स्वाभाविक ही है ।

17 . ' मगर बात करने की जगह उसने मेरा बिस्तर लपेटकर खिडकी से बाहर फेंक दिया और खुद मेरा सूटकेस लिए हुए नीचे उतर गया । अविनाश के इस आचरण से मोहन राकेश और अविनाश के बीच की मित्रता का क्या अंदाज़ा मिल जाता है ?

इससे पता चलता है कि अविनाश और मोहन राकेश के बीच घनिष्ठ मित्रता है । अविनाश चाहता है कि उस दिन राकेशजी अपने साथ रहें । लेखक के बारे में निर्णय लेने का पूर्ण स्वतंत्रता अविनाश को था ।

18 . ' मगर आप चाहें तो चंद ग़ज़लें तरन्नुम के साथ अर्ज़ कर सकता है । इस कथन से आम जनता के साथ ग़ज़लों के रिश्ते का क्या परिचय मिलता है ?

ग़ज़लों के प्रति आम जनता का लगाव ही यहाँ प्रकट होता है ।

20 . मल्लाह अब्दुल जब्बार के चरित्र पर टिप्पणी

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

मोहन राकेश के यात्रावृत्त दिशाहीन दिशा का पात्र है अब्दुल जब्बार नाम का एक बूढा मल्लाह । वह गरीब और सादा जीवन बितानेवाला है । लेखक के मित्र का अनुरोध मानकर रात के ग्यारह बजे के बाद वह नाव लेकर आया । आधी रात के समय कडी सर्दी में वह केवल एक तहमद पहनक नाव चलाया । उस शांत वातावरण में लेखक का मित्र गाना सुनना चाहे तो उसने नाव चलाते हुए एक के बाद एक करके अच्छे गज़लें गाए । वह बडा विनयशील था । गरीब , परिश्रमि , सादा जीवन बितानेवाला व्यक्ति था । उसका स्वर काफी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था । उसकी दाढी और छाती के सारे बाल सफेद हो चुके थे । बूढा होने पर भी पतवार चलाते समय उसकी मांसपेशियाँ इस तरह हिलती थीं जैसे उनमें फौलाद भरा हो । उसके गायन ने लेखक और मित्र के सैर को यादगार बना दिया ।

21 . यात्रा के बारे में लेखक का पत्र

स्थान :

तारीख :

प्रिय मित्र ,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? वहाँ तुम्हारी क्या - क्या समाचार हैं ? मैं अब मित्र अविनाश के साथ भोपाल में हैं । सकुशल मैं | यहाँ पहुच गया । स्टेशन पर मेरे मित्र अविनाश आया था । एक दिन उसके साथ रहने का निश्चय किया । रात को हमने झील की सैर करने को सोचा । ग्यारह बजे निकले । एक नाव मिल गई । उसमें घूमने लगे । बहुत - ही सुंदर लग रही थी । तभी अविनाश की इच्छा हुई कि कोई कुछ गाए । मैं गा नहीं सकता था । आखिर मल्लाह गाने को तैयार हए । वे कुछ गजलें सुनाने लगे । बहुत मीठा था उनका स्वर । रात के साथ ठंड भी बढने लगी । लेकिन लौटने का मन नहीं हुआ । कुछ देर फिर सैर की । चार बजे ही लौटे । अगली बार तुम भी मेरे साथ आओ । ऐसी यात्राएँ बहुत ही आकर्षक होती है । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से ,

तुम्हारा मित्र

सेवा में ,

हस्ताक्षर)

नाम नाम पता ।

22 . लेखक की डायरी (लेखक ने यात्रा करने का निश्चय किया)

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

तारीख : . . . .

यात्रा करने की आशा थी । समुद्र - तट की यात्रा बहुत अच्छी है । बहुत बार सोचा था कि ऐसा एक यात्रा पर जाऊँ । लेकिन समय और साधन पास नहीं होते थे । अब इसका अवसर आ गया है । नौकरी छोड़ने दी तो कुछ पैसे मिले । उन पैसों से यात्रा करने का निश्चय किया । लेकिन कहाँ जाना है , क्या - क्या देखना है इन सबकी कोई रूप - रेखा ही नहीं तैयार की । पहले कन्याकुमारी जाने को सोचा था । वहाँ से गोआ या बंबई । मित्रों की भी विभिन्न रायें हैं । निर्णय तो लेना ही चाहिए ।

23 . नाव यात्रा पर लेखक और मल्लाह के बीच हए वार्तालाप लेखक - आधी रात को बुलाने से आपको कोई तकलीफ हुई है क्या **?**

मल्लाह - क्या तकलीफ है साब ? यही तो हमारा गुज़ारा है न ?

लेखक - आपका नाम क्या है ?

मल्लाह - जी , मेरा नाम अब्दुल जब्बार है ।

लेखक - क्या आप इस ताल के पास ही रहते हो ?

मल्लाह - हाँ साब । मैं यहाँ पास ही रहता हूँ ।

लेखक - सुना है , आप जैसे मल्लाह अच्छे गायक भी हैं । क्या आप हमारेलिए एक गाना गाएँगे ?

मल्लाह - मैं गा तो नहीं सकता , हजूर ।

लेखक - कोशिश तो करो यार । देखो कितना अच्छा नज़ारा है यह ! इस वक्त एक गाना भी हो तो मज़ा आता ।

मल्लाह - आप चाहें तो चंद गज़लें तरन्नुम के साथ अर्ज कर सकता हूँ , माशा अल्लाह चुस्त गज़लें हैं

लेखक - ज़रूर ज़रूर ! आपको जैसे आता है वैसा गाओ ।

मल्लाह – ठीक

1 . " घर में चलते समय मन में यात्रा की कोई बनी हुई रूप - रेखा नहीं थी । " लेखक के इस कथन बीर के आधार पर बताएँ कि किसी यात्रा पर जाने से पहले यात्रा की रूप - रेखा बनाना ज़रूरी है **?**

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

उत्तरः किसी यात्रा पर जाने से पहले यात्रा की रूप - रेखा बनाना ज़रूरी है क्योंकि देखने की जगहें , वहाँ पहुँचने की सुविधाजनक और सस्ती यातायात की 4 रीति , ठहरने के लिए सस्ता व सुरक्षित स्थान आदि के बारे में पहले ही जानने की ज़रूरत है ।

2 . घने शहर की छोटी - सी तंग गली में पैदा हुए लेखक को कन्याकुमारी के विशाल समुद्र - तट के प्रति आत्मीयता का अनुभव होने का आधार में जानते क्या हो सकता है **?**

उत्तरः कन्याकुमारी का विशाल समुद्र - तट संसार 5 . ' उसके भर के पर्यटकों का आकर्षण केंद्र है । इसके सिवाय घने शहर की छोटी - सी तंग गली में पैदा हुए व्यक्ति उत्तर को खुली जगह से आत्मीयता होना स्वाभाविक है ।

Q. पत्र लिखें । भोपाल ताल में अब्दुल जब्बार और अविनाश के साथ की सैर मोहन राकेश के लिए मज़ेदार थी । वे अपने अविस्मरणीय अनुभव दफ़्तर के एक मित्र से बाँटना चाहते हैं । भोपाल ताल की सैर के अनुभवों का जिक्र करते हुए मित्र के नाम मोहन राकेश का पत्र लिखें ।

स्थानः

तारीख

प्रिय मित्र अमित सप्रेम

नमस्कार ।

क्या - क्या समाचार है ? मेरा विश्वास है दफ्तर में आप सब सदा की तरह सदाबहार होंगे । वहाँ से चलते अब चार - पाँच दिन हुए । चलते समय बंबई होता हुआ गोआ जाने का निश्चय किया था । उसी प्रकार रेलगाड़ी में सीट भी मिल गई । भोपाल स्टेशन पर अविनाश मुझसे मिलने के लिए आया । वह मिलन मुझे अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया । रात के ग्यारह बजे के बाद हम दोनों ने शहर के प्रसिद्ध तालाब भोजताल में सैर किए । बूढ़ा मल्लाह अब्दुल जब्बार ने कुछ बढ़िया गज़ल गाए । उनका गला काफ़ी अच्छा था और सुनाने की रीति भी बढ़िया थी । उनके गाने में सारा वातावरण बदल गया , झील का विस्तार भी सिमट गया । लेटकर चलना नहीं चाहता । कहने को बहुत - बहुत हैं । शेष मिलने पर ।

तुम्हारा मित्र

(हस्ताक्षर)

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

मोहन राकेश ।

पता :

Q.मगर आप चाहें तो चंद गज़लें तरन्नुम के साथ अर्ज कर सकता हूँ । ' इस कथन से आम जनता के साथ गज़लों के रिश्ते का क्या परिचय मिलता है ?

उत्तरः उस समय आम जनता सिनेमा गीतों के बारे में जानते थे । गज़लें उर्दू भाषा की कविता है । इसके बारे में आम जनता उतना परिचित न थी ।

5 . ' उसके खामोश हो जाने से सारा वातावरण ही बदल गया । ' - इससे आपने क्या समझा ?

उत्तरः लेखक और मित्र मल्लाह के गायन में पूर्ण रूप से लीन थे और सारा वातावरण इस गायन में तल्लीन हो गया था । इसलिए रात , सर्दी , नाव का खिलना इन सबका अनुभव इन्हें पहले नहीं हो रहा था

बच्चे काम पर जा रहे हैं '

सूचना : बच्चे काम पर जा रहे हैं ' कविता का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

पर दुनिया की हजारों सड़कों से गुजरते हुए बच्चे , बहुत छोटे - छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं ।

1 . नीचे की पंक्ति से विशेषण शब्द चुनकर लिखें ।

छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं ।

2 . दुनिया की कई जगहों में बच्चे काम पर जाने के लिए मजबूर हैं - इसके क्या - क्या कारण होंगे ?

3 . ' शिक्षा - बालकों का अधिकार है । ' - संदेश देते हुए पोस्टर तैयार करें ।

सूचना : बच्चे काम पर जा रहे हैं ' कविता का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

स्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं । सारे मदरसों की इमारतें

1 . पर्वत ' शब्द का समानार्थी शब्द कोष्ठक से चुन लें । **1**

। (मदरसा , खिलौना , दमारत , पहाड़)

2 . समान आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

1 ' क्या , सभी स्कूलों के मकान भूकंप में खराब हो गए है ? '

3 . कवितांश के आधार पर ' बालश्रम अपराध है ' विषय पर टिप्पणी तैयार करें ।

सूचना : बच्चे काम पर जा रहे हैं कविता का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

" क्या सारे मैदान , सारे बगीचे और घरों के आँगन खत्म हो गए हैं एकाएक तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में ? "

1 . ' संसार ' का समानार्थी शब्द कौन - सा है **?**

(मैदान , बगीचा , दुनिया , आँगन)

2 . ' मैदान **,** बगीचा **,** आँगन आदि बच्चों की दुनिया के हिस्से हैं ' - इस पर आपका विचार क्या है **?**

3" बालश्रम को रोको **,** बचपन को बचाओ " - विषय पर पोस्टर तैयार करें ।

सूचना : बच्चे काम पर जा रहे हैं कविता का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

" क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें क्या दीमकों ने खा लिया है सारी रंग - बिरंगी किताबों को ? "

1 . इनमें विशेषण शब्द कौन - सा है ?

क) अंतरिक्ष　　　　ख) दीमक

ग) किताब　　　　घ) रंग – बिरंगी

2 . " सारी गेंदें अंतरिक्ष में गिर गई हैं क्या **?** " - इससे आपने क्या समझा **? 3 .** ' खेलना - पढ़ना बच्चों का हक है ' - विषय पर टिप्पणी लिखें ।

सूचना बच्चे काम पर जा रहे हैं कविता का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों का उत्तर लिखें । कोहरे से ढंकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं सुबह सुबह बच्चे काम पर जा रहे हैं ।

1 . ठंड के मौसम में बड़े सबेरे बच्चे काम पर जा रहे हैं के आशय को सूचित करने वाली पंक्ति को चुनें ।

1 2 . " बच्चे काम पर जा रहे हैं ।

" बच्चे के स्थान पर बच्चा का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

3 . " बच्चों को पढ़ने का अवसर दें " का संदेश देते हुए पोस्टर तैयार करें ।

. सूचना - बच्चे काम पर जा रहे हैं - कविता का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

क्या सारे मैदान , सारे बगीचे और घरों के आँगन खत्म हो गए हैं एकाएक तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में ? कितना भयानक होता अगर ऐसा होता भयानक है लेकिन इससे भी ज्यादा यह कि हैं सारी चीजें हस्वमामूल । पर दुनिया को हजारों सड़कों से गुजरते हुए बच्चे , बहुत छोटे - छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं

1 . कवि के अनुसार सबसे भयानक बात कौन - सी है ?

(1) • खेल के मैदानों का नष्ट होना • बच्चों का काम पर जाना

• घरों के आँगन का नष्ट होना • सारे बगीचों का नष्ट होना

2 . वाक्य पिरमिड की पूर्ति करें ।

बच्चे जा रहे हैं

……………………………………

…………………………………………………..

बहुत छोटे - छोटे बच्चे सुबह काम पर जा रहे हैं ।

3 . बालश्रम दुनिया की एक भीषण समस्या है । इसपर लोगों का ध्यान आकर्षित करते हुए स्कूल में एक संगोष्ठी चलानी है । इसके लिए एक पोस्टर तैयार करें ।

कोहरे से ढंकी सडक पर बच्चे काम पर जा रहे हैं । सुबह - सुबह बच्चे काम पर जा रहे हैं । हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह मयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह

1 . ' सबेरा ' का समानार्थी शब्द चुनकर लिखें ।

(क) कोहरा (ख) सवाल

(ग) सड़क (घ) सुबह

2 . समान आशयवाली पंक्ति चुनकर लिखें ।

इसे विवरण की तरह लिखा जाना भयानक है ।

3 . कवितांश की आस्वादन टिप्पणी लिखें ।

। उत्तरः

1 . सुबह

2 . मयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

क्या सारे मैदान सारे बगीचे और घरों के आँगन खतम हो गए है एकाएक तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में कितना भयानक होता अगर ऐसा होता भयानक है लेकिन इससे भी ज्यादा यह कि है सारी चीजें हस्वमामूल । **Q,**मैदान , बगीचे और घरों के आँगन आदि किसके लिए है ।

2 इससे कवि क्या कहना चाहते हैं **?**

3 . कितना भयानक होता अगर ऐसा होता यहाँ भयानक बात क्या है **?** क्यो **?**

उत्तरः

1 . बच्चों के लिए

2 स्कूल जाना पढ़ना लिखना खेलना कूदना आदि बचपन का काम है । इन अधिकारों से कुछ बच्चे वंचित है ।

3 . हमारे संविधान में सभी बच्चों को कुछ बुनियादी अधिकार हैं । बच्चे इन अधिकारों से वंचित होना भयानक बात है । स्कूल जाना खेलना , जीवन की मज़ा लूटना आदि बचपन का काम है । लेकिन कुछ बच्चे इससे वंचित हैं । हमें यह समझना चाहिए ।

(നമ്മുടെ ഭരണഘടന എല്ലാ കുട്ടികൾക്കും അടിസ്ഥാനപരമായ ഏതാനും അവകാശങ്ങൾ നൽകി യിട്ടുണ്ട് . അവ കുട്ടികൾക്ക് നിഷേധിക്കുന്നത് ദുഖകരമായ കാര്യമാണ് . സ്കൂളിൽ പോകുക , കളി ക്കുക , ജീവിതത്തിലെ സന്തോഷങ്ങൾ ആസ്വദിക്കുക ഇവയെല്ലാം ബാല്യത്തിന്റെ അവകാശങ്ങളാണ് എന്നാൽ ചില കുട്ടികൾക്ക് ഇത് ലഭിക്കുന്നില്ല . ഇത് നാം മനസ്സിലാക്കണം)

1 . कवितांश के आधार पर सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

(क) बच्चे स्कूल के बाद काम पर जा रहे हैं । (ख) बच्चे काम के बाद स्कूल जा रहे हैं ।

(ग) बच्चे सुबह - सुबह स्कूल जा रहे हैं । (घ) बच्चे सुबह - सुबह काम पर जा रहे हैं ।

2 , " बच्चे के स्थान पर ' बच्चा ' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

बच्चे काम पर जा रहे हैं ।

" **3** कवितांश की आस्वादन टिप्पणी लिखें

उत्तरः

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

1 . बच्चे सुबह - सुबह काम पर जा रहे हैं ।

2 . बच्चा काम पर जा रहा है ।

3 . हिंदी के आधुनिक कवियों में प्रमुख है श्री राजेश जोशी । ' बच्चे काम पर जा रहे हैं ' नामक इस कविता के द्वारा कवि आज की एक जलती हुई समस्या बालश्रम के प्रति हमारा ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं । कवि कहते हैं कि बड़े सबेरे कोहरे से ट्रॅकी सड़क पर , जहाँ राह भी ठीक तरह से सूझती नहीं , बच्चे काम करने केलिए जा रहे हैं । यह हमारे समय की एक भयानक स्थिति है क्योंकि यह उनके काम करने की उम्र ही नहीं है । इस उम्र में उन्हें अपने घर के घाट की गर्मी में बेखबर सोना चाहिए । यह हमारे समय की एक बड़ी समस्या है । अतः इसे सामान्य मानकर विवरण के रूप में प्रस्तुत करना और भी भयानक है । कवि की राय में इस बात को सवाल की । तरह प्रस्तुत करना चाहिए कि हमारे कुछ बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं ? तभी लोगों का ध्यान इस तरफ आकर्षित हो जाएगा । अतः वे इसे सवाल के रूप में प्रस्तुत करते हैं ।

गुब्ली तो पराई है

Qn . सूचना गुब्ली तो पराई है ' कहानी के इस अंश के आधार पर नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।
सब मुंह बाए गुठली को देखते रहे और गुठली टिफ़िन - बैग उठाकर स्कूल के लिए चल दी ।

Q) गुठली तो पराई है ' किसकी रचना है ?

(प्रेमचंद , कनक शशि , प्रभात , मन्नू भंडारी) ।

Q) गुठली अपने घर से दुखी होकर निकली । वह अपने मित्र से सारी बातें बाँटने लगी । गुठली और मित्र के बीच की संभावित बातचीत लिखें । (कम से कम पाँच विनिमय हों)

सूचना कनक शशि की कहानी का यह अंश पढ़ें , और नीचे के प्रश्नों का उत्तर लिखें । सब मुंह बाए गुठली को देखते रहे और गुठली टिफ़िन - बैग उठाकर स्कूल के लिए चल दी ।

Q. यह किस कहानी का अंश है ?

(बीरबहूटी , गुठली तो पराई है , ठाकुर का कुआँ , बंटी) ।

Q) घरवाले सब मुँह बाए गुठली को देखते रहने के कारण क्या - क्या होंगे ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

Q) गुठली सामाजिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाने लगी है । ' लडका - लड़की समान है । ' संदेश देते हुए पोस्टर तैयार करें ।

सूचना :गुठली तो पराई है ' कहानी के इस अंश के आधार पर नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

सबकुछ कितना ऊटपटांग है । देर रात तक यही सब सोचती रही गुठली । फिर कुछ सोच मुस्कराई और सो गई ।

क) ' सबकुछ कितना ऊटपटांग है । इस वाक्य का मतलब नीचे से चुन लें ।

- यहां सारी बातें सीधी चल रही हैं ।
- यहाँ सारी बातें कम से चल रही हैं ।
- यहाँ सारी बातें निरर्थक चल रही हैं ।
- यहाँ सारी बातें सही चल रही हैं ।

ख) देर रात तक यही सब सोचती रही गुठली । गुठली के मन में क्या - क्या विचार आए होंगे ? (दो - तीन वास्यों में उत्तर लिखें)

ग सोने के पहले गुठली अपने घर के अनुभवों को डायरी में लिखती है । गुठली की संभावित डायरी लिखें

सूचना गुठली तो पराई है ' कहानी का यह अंश पढ़कर नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिखें

और गुठली चुप रहने वालों में से नहीं है । वह अपनी दीदी के साथ बिताए मजेदार दिनों की याद करने लगी । साथ - साथ कहानियां पढ़ना , गाने गाना , चित्र बनाना , मस्ती करना और खूब हँसना ।

क) गुठली के लिए कौन सी विशेषता उचित है ? 1

(सब से डरनेवाली , चुपचाप बैठनेवाली , प्रतिक्रिया करनेवाली , हमेशा रोनेवाली)

ख) गुठली याद करने लगी । तो उसका भैया भी . . . . (उचित वाक्यांश से पूरा करें)

(याद करने लगे , याद करने लगी , याद करना लगा , याद करने लगा)

ग) अपनी दीदी के साथ बिताए मजेदार दिनों की याद करते हुए गुठली मित्र के नाम पत्र लिखती है ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

वह पत्र कल्पना करके लिखें (पत्र के कलेवर में लगभग सत्तर शब्द हों ।)

सूचना गुठली तो पराई है कहानी के इस अंश के आधार पर नीचे के प्रश्नों के उत्तर लिसें ।

गुठली रोने लगी , तो बुआ ने अंटा , च्या शादी के घर में मनहूसियत फैला रही है ? " तभी मां ने अपने हाथ से उसका नाम कार्ड पर लिख दिया । ये अक्षर छपाई जैसे नहीं थे , फिर भी गुठली माँ के प्यार से मान गई ।

क) इनमें सही प्रस्ताव कौन सा है

. मांगुठली डांटती है । • बुआ गुठली को डांटती है ।

• फूफा गुठली को डांटती है । • दीदी गुठली को डांटती है ।

क्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

मां ने लिख दिया । .

....

....

मां ने अपने हाथ से गुटली का नाम कार्ड पर लिख दिया ।

ग) आपके जीवन में भी मां की प्यार भरी सांत्वना के कई मौके आए होंगे । किसी एक प्रसंग का जिक्र करते हुए मित्र के नाम पत्र लिखे । (पत्र के कलेवर में लगभग 70 शब्द हो)

सूचना गुठली तो पराई है ' कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

" पर ताऊजी उसमें भइया के छोटे से बेटे का भी नाम है जो अभी बोल भी नहीं सकता तो मेरा . . . . । " " तो क्या हुआ ? तेरा नाम तेरे अपने कार्ड में छपेगा यहाँ नहीं . . . . . अब चल भाग यहाँ से ।

" क) सही प्रस्ताब चुन लें ।

ताऊजी लड़के - लड़की का भेदभाव दिखाते हैं । 1

ताऊजी लड़के - लड़की का भेदभाव नहीं दिखाते हैं ।

ताऊजी लड़कों को अधिक महत्ता नहीं देते हैं ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

ताऊजी लड़कियों को अधिक महत्ता देते हैं ।

ख) ताऊजी की डाँट सुनते ही गुठली वहाँ से भाग गई । वह अपने अनुभवों को डायरी में लिखने लगी ।

गुठली की डायरी कल्पना करके लिखें । (डायरी लगभग 80 शब्दों की हो)

सूचना गुठली तो पराई है ' कहानी के इस अंश के आधार पर अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

इसी बीच शादी के कार्ड छपके आए । गुठली बड़ी उत्सुक थी । जैसे - तैसे पूजा पाठ के बाद कार्ड हाथ में आया तो गुठली का मुंह उतर गया ।

क) सही प्रस्ताब चुनकर लिखें ।

- गुठली को अपनी शादी का कार्ड मिला ।
- गुठली को अपनी दीदी की शादी का कार्ड मिला ।
- गुठली को अपने मित्र की शादी का कार्ड मिला ।
- गुठली को अपने भाई की शादी का कार्ड मिला ।

ख) सही वाक्यांश से पूरा करें ।

शादी के कार्ड छपके आए । तो गुठली ने शादी . .

(की पत्र पढ़कर देखा , की पत्र पढ़कर देखी , का पत्र पढ़कर देखा , का पत्र पढ़कर देखी)

ग) शादी का कार्ड मिलते ही गुठली क्यों उदास हो गई ?

(घ) कहानी के इस प्रसंग में गुटली ताऊजी से शिकायत करते हुए बातें कर रही है । गुठली और ताऊजी के बीच की संभावित बातचीत कल्पना से लिखें ।

(कम से कम पांच विनिमय हों ।)

1 . ' यु तो बडी बुआ गुठली को अच्छी लगती है । पर उनसे बात करना उसे कुछ खास पसंद नहीं क्यों ?

ans. बडी बुआ से बात करते समय नसीहतें देती थी । हर बात में मनाही करती रहती है । वे कहती है - गुठली पराये घर की आमनता है । ससुराल ही तेरा घर है । गुठली को ऐसी

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

नसीहतें पसंद नहीं । इसलिए बुआ से बात करना गुठली को कुछ खास पसंद नहीं

2 . " अरे देवकूफ यह घर तो पराया है " गुठली से ऐसा क्यों कहती है ?

ans. लडकी को शादी के बाद पति के घर में जीना पडा । ससुराल ही उसका घर है । शादी के बाद अपने घर में कोई अधिकार नहीं है । बुआ इस संस्कृति को माननेवाली है । इसलिए बुआ गुठली से ऐसा कहती है

3 . लगा उसे जैसे उसके पैरों के नीचे से ज़मीन खींच ली गयी हो । गुठली को ऐसा क्यों लगता है ?

एक दिन बुआ गुठली से कहा तू अपना घर का नहीं पराया है । यह सुनकर गुठली माँ की ओर देखली है ।लेकिन माँ गुठली को उदास देख गले लगाकर बोली " बेटा , बुआ की बात का बुरा मत मान । और जो कल होना है उसे लेकर क्यों परेशान होना । ये दिन फिर लौट के नहीं आनेवाले हैं इन्हें जी भर के ले । " माँ की बातों से गुठली ओर भी हताश हो गयी

4 . पर ताऊजी उसमें भैया के छोटे से बेटे का भी नाम है जो अभा बोल नहीं सकता तो मेरा . . . . . . । यहाँ कौन सी सामाजिक व्यवस्था की झलक मिलती है ?

हमारे समाज में आज भी ऐसे लोग हैं जो लडकियों को उतना स्थान नहीं देता है जितना लड़कों को देता है । पुरानी सामाजिक व्यवस्था में लड़का और लडकी को समान अधिकार नहीं है । कुछ लोगों का मानना है - लडका कुलदीपक है तो लडकी पराया है ।

5 . " अरे बेवकूफ यह घर तो पराया है । बाकी लडकियो . . . . कुछ समझी ? . . " भूला नहीं है रे . . . . अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते । ' ये वाक्य किसकी ओर इशारा करते हैं ? इसपर आपकी राय क्या है ?

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

यहाँ समाज में होनेवाले स्त्री और पुरुष का भेदभाव और सामाजिक असमानता की ओर इशारा करते

हैं । समाज में कई प्रकार की असमानताएँ हैं । स्त्री होने के नाते कुछ हकों से वंचित होना उचित

नहीं है । संविधान लडकियों को और लड़कों को समान अधिकार और समान अवसर देता है । हमें अपने स्कूल , कक्षा और घर में लड़कों के साथ - साथ लडकियों को भी समान अधिकार प्रदान करना है । दूसरों के प्रति उपेक्षा का भाव बुरी आदत है ।

6 . पत्र

कोट्टयम

12 / 01 / 2017

प्रिय रीमा ,

तुम कैसे हो ? कुशल है न ? मैं यहाँ कुशल से हुँ । तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? आजकल मुझे पढने की रुचि नहीं आती है । घरवालों की कुछ कहावतों से मैं बहुत उदास हुँ । बुआ कहती है - मैं अपना घर का नहीं , पराया हुँ । मैं पराये घर की आमनता हुँ । ससुराल ही मेरा घर है । माँ भी कहती है - बुआ की बात का बुरा मत मान । दीदी की शादी के कार्ड में मेरा नाम छपा नहीं । उसमें भइया के छोटे बच्चे का भी नाम था , जो अभी बोल भी नहीं सकता । घरवालों का मानना है कि लडका घर का कुल दीपक है । मुझे लगता है आज की सभी बातें पुरुष केंद्रित है । क्या ये सब ठीक है ? समान अधिकार और समान अवसर देना है न ? अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए मुझे खुद आगे आकर प्रयत्न करना चाहिए । हमारे समाज में आज भी ऐसे लोग हैं जो लडकियों को पढने नहीं देते । आज की लडकियों को निडर होकर अपनी बातें कहनी चाहिए । अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए उसे खुद आगे आकर प्रयत्न करना चाहिए । तुम्हारे माता - पिता सकुशल है न ? उनको मेरा नमस्कार कहना ।

डायरी

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

12 / 02 / 2017
सोमवार

आज मुझे मालुम हो गया कि मैं पराया हुँ । मैं पराये घर की आमनता हुँ । सुबह बुआ ने मेरे साथ कई नसीहतें कही । यह मुझे अच्छा न लगी । बुआ कहती है ससुराल ही मेरा असली घर होगा । मैं ठुनकर बाहर चली गयी । तबुआ ने कहा - मुझे अकल नहीं आई । यह सुनकर माँ ने सांत्वना दी । माँ की बातों से मैं और भी हताश हो गयी । क्या यह घर मेरा नहीं ? क्या मेरे आम की कैरियाँ वो कभी नहीं खा पाएगी ? नानु भी मेरा नहीं ? बगीचे में मेरी बनाई क्यारियाँ , मछलियों के लिए तालाब . . . . . क्या वे भी मेरा नहीं ? पिछले साल दीदी की शादी में मैं भी कितनी खुश थी । दीदी की शादी की कार्ड में मेरा नाम छपा नहीं । उसमें भइया के छोटे बच्चे का भी नाम था , जो अभी बोल भी नहीं सकता । शादी के तीन दिन बाद जब दीदी घर आई तो एकदम बदलचुकी थी - न पहले की तरह मस्तीखोर , न बातूनी । सब कुछ कितना ऊटपटाँग है । आज की लडकियाँ अपने ऊपर किए जानेवाले अत्याचारों को सहने के लिए तैयार नहीं है । अब तो हद हो गयी । मैं चुप रहने वालों में से नहीं है । मुझे निडर होकर अपनी बातें कहनी चाहिए । अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए मुझे खुद आगे आकर प्रयत्न करना चाहिए । नींद आती है । शुभरत्री ।

3 . (गुठली का घर । बैठक में चौदह वर्षीय लड़की गुठली , उसकी माँ , बुआ और लाईजी बैठी हैं ।

बातूनी गुठली अपनी माँ से कुछ कह रही है ।

बुआ - ऐसा मत करो गुढली बेटी , ऐसे पट - पट मत बोले ।

गुठली - क्यों ? बुआ - अरे छोरी , लोग नाम तो तेरी माँको ही रखेंगे । कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं गुठली की माँ - बचपन है दीदी , समझ जाएगी ।

बुआ - ऐसे ही करेगी क्या अपने घर जाकर ?

गुठली - अपना घर ? यही तो है मेरा घर , जहाँ मैं पैदा हुई

" ऐसा मत करो " , " ऐसे पट - पट मत बोलो " , " ऐसे धम - धम मत चली । . . . . " एक दिन गलती से उसने पूछ ही लिया , “ क्यों ? " तो बस शुरू हो गई , “ अरे छोरी ; लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं । ऐसे ही करेगी क्या अपने घर जाकर ? गुठली बोली , " अपना घर ? यही तो है मेरा घर , जहाँ मैं पैदा हुई ।

Q. लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे । ' यहाँ रखेंगे ' क्रिया का रूपायन किस शब्द के आधार पर है ?

(नाम ; लोग ; माँ)

Q . कहानी में किसका संकेत है ?

क) वर्तमान समाज में स्त्री - पुरुष में समता है ।

ख) वर्तमान समाज में स्त्री पुरुष समता का अभाव है ।

ग) वर्तमान समाज स्त्रियों को पुरुषों के समान ही देखता है ।

Q. कहानी के उपर्युक्त अंश के आधार पर पटकथा का एक दृश्य लिखें ।

अथवा

गुठली अपना दुख सहेली से बाँटना चाहती है । सहेली के नाम गुठली का पत्र कलपना करके लिखें ।

उत्तरः

1 लोग

2 वर्तमान समाज में स्त्री - पुरुष समता का अभाव है ।

(क) पटकथा

दृश्यः	संवादः
गुठली का घर । बैठक में चौदह वर्षीय लड़की । गुठली , उसकी माँ , बुआ और ताईजी बैठी हैं । गुठली चौदह साल की लड़की है । कमीज़ और फराक पहनी है । गुठली अपनी माँ से कुछ कह रही थी । इसी बीच बुआगुठली को कुछ उपदेश देता है ।	बुआ - ऐसा मत करो गुठली बेटी , ऐसे पट - पट मत बोलो । - क्यों ? बुआ - अरे छोरी , लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

	। कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं । गुठली की माँ - बचपना है दीदी , समझ जाएगी बुआ - ऐसे ही करेंगी क्या वह अपने घर जाकर गुठली -अपना घर ? यही तो है मेरा घर , जहाँ मैं पैदा हुई ।

स्थानः

तारीखः

प्यारी शिखा , सप्रेम नमस्कार ।

तम कैसी हो ? ठीक है न ? घर में सब कुशल हैं न ? कई दिन से तुझे एक बात कहना चाहती है । क्या लडका लडकी एक समान नहीं है ? लड़का - लड़की का समान अधिकार है ? मेरी बुआ कहती है जिस घर में मेरा जन्म हआ वह मेरा घर नहीं । घर का लड़का ता आर । किसी की अमानत है । ससुराल ही मेरा असली घर होगा आदि । लेकिन मैं अपने को पराये घर की अमानत नहीं मानती हैं । बुआ का उपदेश सहन सकती . जैसे ऐसा मत करो गुठली , ऐसे धम - धम मत चलो । मुझे बुरा लगती है शिखा , हम लड़कियों से घर में इतना भेदभाव क्यों ? लड़कों को कोई रोकटोक नहीं । ऐसा क्यों ? हमें कुछ करना है । दीदी की शादी के कार्ड पर मेरा नाम नहीं छपवाया । लेकिन भैया के छोटे बच्चे का नाम भी छपवाया है । इसस मैं बहुत दुःखी हूँ । हमारे समाज में लड़कियों को कोई स्थान नहीं ? इसके विरुद्ध ज़रूर आवाज़ उठाना है । क्या तू मेरे साथ देगी ? तेरे पत्र की प्रतीक्षा में ,

तुम्हारी सहेली

(हस्ताक्षर

गुठली ।

सेवा में,

…………………

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner

देखिए भइया मेरा नाम कार्ड में छपवाना भूल गया ? ' ताऊजी बोले , ' मला नहीं है रे . . . अपने घर की | छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते । ' गुठली , ' पर ताऊजी उसमें भइया के छोटे से बेटे का भी नाम हो जो अभी बोल भी नहीं सकता तो मेरा . . . .

Q . अगर गुठली के स्थान आप होते तो क्या करते ?

Q. ' भूला नहीं है रे . . . . अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते । ' - यह वाक्य किसकी ओर इशारा करता

Q. उस दिन रात गुठली सो न सकती । वह डायरी लिखने लगी । उसने क्या - क्या लिखा होगा ? कल्पना करके लिखें ।

ANS.

1 . अगर में होता तो ज़रूर इसके विरुद्ध आवाज़ उठाता । हमारे संविधान में लड़की को क्या - क्या अधिकार हैं , इनके बारे में उन्हें समझाऊँगा ।

2 . सामाजिक असमानता की ओर

डायरी 24 दिसंबर 2019

ग्यारह बज चुकी । लेकिन सो न सकती । ताऊजी ने क्या - क्या कहा ? लड़की होना क्या इतना बुरा है ? भइया का छोटा बेटा , जो अभी बोल भी नहीं सकता . उसका नाम भी शादी के कार्ड पर छपवाया । लेकिन मेरा नाम नहीं । कानों में ताऊजी के वचन गंज रहे हैं । लडकी होना क्या इतना अपमान है ? यह सहनेलायक नहीं । इसके विरुद्ध जरूर आवाज़ उठानी है । मैं ने तय किया । आज से . इस क्षण से में लड़की के अधिकारों के बारे में समझाने की कोशिश करूँगी ।

SHANIL PARAL
AMHSS VENGOOR
8089857858

Scanned with CamScanner